■ वर्ष-22 ■ अंक-49
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

दिल्ली (राष्ट्रीय संस्करण)

■ शनिवार ■ 5 अप्रैल 2025

चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी
विक्रम संवत्-2082

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

दिल्ली, भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

देश की राजधानी से प्रकाशित होकर विभिन्न प्रदेशों में प्रसारित

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

महागौरी मैया

या देवी सर्वभूतेषु माँ गौरी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
श्वेत वृषे समारूढ़ा श्वेताम्बर धरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा।।

श्री दुर्गा का अष्टम रूप श्री महागौरी हैं। इनका वर्ण पूर्णतः गौर है, इसलिए ये महागौरी कहलाती हैं। नवरात्रि के अष्टम दिन इनका पूजन किया जाता है। इनकी उपासना से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। माँ महागौरीकी आराधना से किसी प्रकार के रूप और मनोवांछित फल प्राप्त किया जा सकता है। उजले वस्त्र धारण किये हुए महादेव को आनंद देवे वाली शुद्धता मूर्ती देवी महागौरी मंगलदायिनी हों।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मोहम्मद यूनुस, कई मायनों में खास है यह मुलाकात

बैंकॉक। यह मुलाकात थाईलैंड में आयोजित बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के इतर संपन्न हुई है। इस बैठक को दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह बैठक इसलिए खास मानी जा रही है क्योंकि यह शेख हसीना सरकार के अगस्त 2024 में सत्ता से हटने और भारत में शरण लेने के बाद दोनों देशों के बीच पहली आधिकारिक मुलाकात थी। जबसे शेख हसीना की सरकार सत्ता से बाहर हुई है, तब से ही बांग्लादेश और भारत के संबंधों में तनाव देखा गया है। मोहम्मद यूनुस की नीतियों के कारण दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में भी खटास आई

बांग्लादेश के मुखिया मोहम्मद यूनुस की लंबे समय से चली आ रही इच्छा आखिरकार पूरी हो ही गई। दरअसल भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में आई तल्खी के बीच बैंकॉक की धरती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मोहम्मद यूनुस की द्विपक्षीय बैठक हुई।

थी। मोहम्मद यूनुस की ओर से लंबे समय से प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की कोशिशें हो रही थीं, लेकिन भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते तनाव के कारण यह मुलाकात टलती रही। हालांकि, भारत हमेशा से अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंधों की वकालत करता आया है। इसी कड़ी में भारत ने बांग्लादेश की इस मांग को स्वीकार किया और द्विपक्षीय बैठक के लिए सहमति दी। यहां बताते चलें कि बांग्लादेश में शेख हसीना के जाने के बाद हिंदू अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों और भारत-बांग्लादेश संबंधों में आई खटास ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। इसके अलावा, मोहम्मद यूनुस ने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग भी की थी, जिससे दोनों देशों के रिश्तों में और तनाव आ गया था। इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग और क्षेत्रीय शांति पर जोर दिया। खासकर, व्यापार, सुरक्षा और कूटनीतिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए चर्चा की गई। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण रही क्योंकि मोहम्मद यूनुस ने हाल ही में चीन के साथ नजदीकियां बढ़ाई थीं, जिससे भारत में चिंता देखी गई थी। अब देखने वाली बात यह होगी कि इस मुलाकात के बाद दोनों देशों के रिश्तों में आई खटास कितनी हद तक कम होगी और क्या इससे बर्फ पिघलेगी या नहीं।

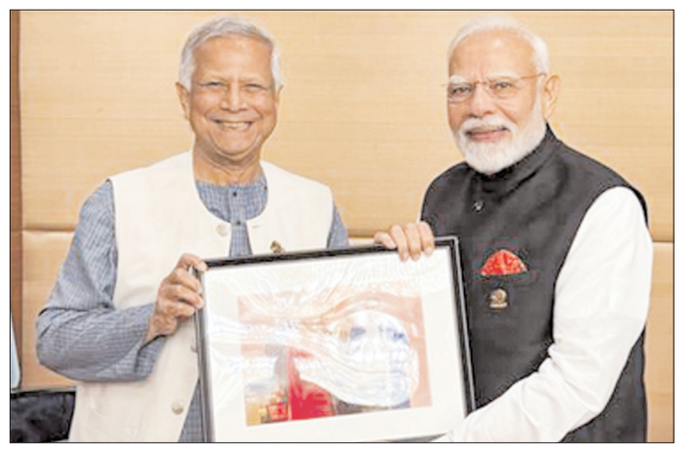

पीतांबरा माई के दरबार में पहुंचे मुख्यमंत्री

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दतिया में पीतांबरा माई के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

महाराष्ट्र में एएसआई ने बढ़ाई औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा

नई दिल्ली। भारत सरकार ने गुरुवार को बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एसएसआई) महाराष्ट्र के खुलदाबाद में मुगल सम्राट औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा के लिए लगातार सक्रिय उपाय कर रहा है। यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी। उन्होंने कहा कि मकबरा स्मारक द्वारा संरक्षित स्मारक है और इसकी सुरक्षा को लेकर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

शेखावत ने बताया कि औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा के लिए एसएसआई और जिला प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं। मकबरे के चारों ओर 12 फीट ऊंची धातु की शीट लगाई गई है। इसके साथ ही दीवारों पर कटीली तार (कॉन्सर्टिना वायर) लगाई गई है ताकि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति मकबरे में प्रवेश न कर सके। साथ ही, निजी सुरक्षा कर्मचारियों को तैनात किया गया है और एसएसआई अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया ऐतिहासिक निर्णय

वक्फ संशोधन बिल है स्वागतयोग्य: डॉ यादव

समय जगत, भोपाल। वक्फ संशोधन बिल 2025 लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में बहुमत से पारित होने के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इसके लिए देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। शुक्रवार (4 अप्रैल) को सीएम यादव ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी वर्गों की चिंता करते हैं। उसी का नतीजा है कि वक्फ संशोधन बिल दोनों सदनों से पास हो गया। यह बिल मुसलमानों के हित में हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल का जिस तरह से देश भर के गरीब मुसलमानों ने स्वागत किया है, उससे विपक्षी पार्टियों की कलई खुल गई है। कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टी के लोग मुस्लिमों की बात करते हैं। जबकि हकीकत में उनके लिए कुछ नहीं करते।

मुस्लिम समुदाय के लिए विपक्षी नेताओं का व्यवहार हकीकत से परे है। विपक्षी दलों की इस सोच की वजह से उनके कार्यकाल में आर्थिक व अन्य क्षेत्रों में मुसलमानों के लिए निराशाजनक माहौल रहा। सीएम ने आगे कहा कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के कुशल प्रबंधन, पारदर्शिता और सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा। साथ ही इस बिल से गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के हितों की रक्षा होगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में महिलाएं निरंतर सशक्त हो रही हैं, इस दिशा में यह विधेयक मुस्लिम महिलाओं को और अधिक सशक्त करेगा और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव का मार्ग प्रशस्त होगा। यह विधेयक निश्चित ही डिजिटलीकरण को बढ़ावा देकर वक्फ संपत्तियों में होने वाली वित्तीय गड़बड़ियों और अवैध कब्जों पर लगाम लगाकर राज्यों के वक्फ बोर्ड के राजस्व में वृद्धि करेगा। निश्चित रूप से 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संकल्प को साकार करता यह महत्वपूर्ण कदम नए, सशक्त और विकसित भारत की ओर एक नया मील का पत्थर सिद्ध होगा।

धार्मिक स्थानों की गरिमा बनाए रखने का प्रयास है, शराब बंदी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जन भावनाओं का ध्यान रखते हुए धार्मिक स्थानों की पवित्र गरिमा को बनाए रखने के लिये शराब बंदी का प्रयास किया है, इसके लिये शासन ने भले ही राजस्व की हानि स्वीकार की है। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के धार्मिक शहरों में शराबबंदी का निर्णय इसी दिशा में एक कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के 17 से अधिक शहरों में शराब बंदी की घोषणा कर उसे क्रियान्वित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल से दतिया रवाना होने से पहले मीडिया को जारी संदेश में यह विचार रखे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुशासन की ओर अग्रसर हो रही हमारी सरकार पर जनता की सेवा और कल्याण के लिए पीताम्बरा माई अपना आशीर्वाद बनाए रखें-यही प्रार्थना है।

रेल मिलिंग मशीन से यात्रियों को मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली। राजधानी, दुरंतो या शताब्दी जैसी प्रीमियम ट्रेनों के साथ ही अब सामान्य मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में चैन की नींद आएगी। लंबे सफर के बाद भी थकावट महसूस नहीं होगी। ट्रेनों की यात्रा लग्जरी कार जैसी होगी। इसके लिए पटरी पर रेल मिलिंग मशीन उतारी गई है। अत्याधुनिक मशीन से न केवल रेलवे ट्रैक को चिकना बनाए रखने में मदद मदद मिलेगी, बल्कि उसकी मजबूती भी बढ़ेगी। भारतीय रेल की इकलौती मशीन धनबाद रेल मंडल को दी गई है। रेल मिलिंग मशीन ने काम करना शुरू कर दिया है। 18 फरवरी से 31 मार्च के दौरान अलग-अलग रेलखंडों में 11.3 ट्रैक किमी पटरी को ठीक किया जा चुका है। लंबे समय तक यात्री ट्रेन या

मालगाड़ी चलने से पहिए से ट्रैक घिस जाते हैं। गर्मी में ट्रैक के टेढ़ होने या जाड़े में दरार पड़ने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। पहले ऐसी स्थिति में ट्रैक को काट कर उस स्थान पर नए ट्रैक जोड़ने पड़ते थे। लंबी रेल पटरी बिछाने के लिए वेल्डिंग की जाती है। लेकिन अब रेल मिलिंग मशीन से अब ऑन स्पॉट मरम्मत की जा सकेगी। ट्रैक के ऊपरी हिस्से से 1.5 एमएम गहराई तक मशीन से दुरुस्त किया जा सकेगा। बार-बार ट्रैक के प्रभावित या क्षतिग्रस्त हिस्से को हटाने की समस्या नहीं होगी। इससे रेलवे का खर्च बचेगा। ट्रैक फैक्चर होने या वेल्डिंग फेल होने की घटनाएं कम हो सकेंगी। मशीन ईको फ्रेंडली होने से न तेज आवाज न ही कंपन करती है।

केदारनाथ धाम यात्रा 2 मई से शुरू

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम की यात्रा 2 मई से शुरू होगी। इसके पहले जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित टीमें यात्रा की तैयारियों में जुट गई हैं। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने बताया कि सड़क मार्ग से लेकर केदारनाथ के पैदल रास्तों को तेजी से ठीक किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की टीमें पैदल मार्गों पर जमी मोटी बर्फ को हटाने में लगी हुई हैं। पिछले साल आई आपदा से टूटे रास्तों की मरम्मत हो रही है। डॉ. खाती ने बताया, हमारा लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। वहीं, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रामप्रसाद ने बताया कि इस बार केदारनाथ धाम में 17 बेड का अस्पताल तैयार कर रहे है। जैसे ही बर्फ हटाने का काम पूरा होगा, स्वास्थ्य विभाग की टीमें जरूरी सामान के साथ व्यवस्था जुटाने में जाएगी। उन्होंने कहा, गौरीकुंड से केदारनाथ तक पैदल मार्ग पर सभी मेडिकल रिलीफ पॉइंट्स को सुधारा जा रहा है।

मनोज कुमार के निधन पर राष्ट्रपति मुर्मू ने जताया शोक

नई दिल्ली। मशहूर अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सहित कई दिग्गजों ने दुख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा वो हमारी स्मृति में अंकित रहेंगे। उन्होंने कहा, अभिनेता और फिल्मकार मनोज कुमार के निधन से दुखी हूं। उन्होंने भारतीय सिनेमा पर अमिट छाप छोड़ी है। अपने लंबे और प्रतिष्ठित करियर के दौरान वे अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाने जाते थे, जो भारत के योगदान और मूल्यों पर गर्व की भावना को बढ़ावा देती थीं।

राष्ट्रपति से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दिवंगत एक्टर के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने भी एक्स पोस्ट में लिखा, महान अभिनेता और फिल्मकार मनोज कुमार के निधन से बहुत दुख हुआ। वे भारतीय सिनेमा के प्रतीक थे, जिन्हें खास

तौर पर उनकी देशभक्ति और उनके जोश के लिए याद किया जाता था, जो उनकी फिल्मों में भी झलकता था। मनोज जी के कामों ने राष्ट्रीय गौरव की भावना को जगाया और वे पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। देशभक्ति फिल्मों के माध्यम से दर्शकों के दिलों में अलग जगह बनाने वाले हिंदी सिने जगत के दिग्गज कलाकार मनोज कुमार का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने शुक्रवार सुबह मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। मनोज कुमार ने बॉलीवुड को उपकार, पूरब-पश्चिम, क्रांति, रोटी-कपड़ा और मकान सहित ढेर सारी कामयाब फिल्में दीं। इन फिल्मों की वजह से उन्हें दर्शक भारत कुमार के नाम से भी जानते थे।

जगदीश देवड़ा ने अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर जताया शोक

समय जगत, भोपाल। प्रसिद्ध अभिनेता, निर्माता और निर्देशक मनोज कुमार के निधन पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मनोज कुमार का भारतीय सिनेमा में योगदान अविस्मरणीय है। उनकी फिल्मों ने देशवासियों में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक चेतना की अलख जगाई। उन्होंने भारतीय मूल्यों, संस्कृति और देशभक्ति को अभिव्यक्त किया, जिसके लिए उनका सदैव स्मरण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि स्व. मनोज कुमार केवल एक अभिनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय सिनेमा में राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक थे।

यूक्रेनवासियों की राय में यूक्रेन के लिए नकारात्मकता से भरा है ट्रंप शासन

कीव। हाल ही में जारी एक सर्वेक्षण के मुताबिक यूक्रेनवासियों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति काल का यूक्रेन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। लगभग तीन चौथाई (73 प्रतिशत) यूक्रेनी नागरिकों ने यह जानकारी जारी की। कीव इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशियोलॉजी की ओर से यह सर्वे कराया गया।

सर्वेक्षण के अनुसार, केवल 19 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ट्रंप के राष्ट्रपति बनने को यूक्रेन के लिए लाभकारी माना। बाकी बचे उत्तरदाता इस मुद्दे पर कोई राय नहीं रखते थे। जब पूछा गया कि क्या ट्रंप के शासनकाल की सहायता से यूक्रेन न्यायपूर्ण शांति प्राप्त कर सकता है, तो 55 फीसदी लोगों ने नकारात्मक उत्तर दिया, 18 ने सकारात्मक। 21 प्रतिशत ने कहा कि उनका मानना है कि कोई भी शांति समझौता केवल आंशिक रूप से ही न्यायपूर्ण होगा। यह सर्वे 12 से 22 मार्च तक 1,326 वयस्कों के साथ टेलीफोन इंटरव्यू के माध्यम से आयोजित किया गया था। यह सर्वेक्षण दिसंबर 2024 में हुए इसी प्रकार के सर्वेक्षण की तुलना में जनता की राय में बदलाव को दर्शाता है। उसमें सामने आया था कि कि 54 प्रतिशत यूक्रेनवासी ट्रंप के आगामी राष्ट्रपति बनने के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण रखते थे, 21 प्रतिशत लोग इसे नकारात्मक रूप से देखते थे, जबकि 25 प्रतिशत लोग कोई राय नहीं रखते थे। 20 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति बनने के बाद से ट्रंप लगातार यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की बात कर रहे हैं। हालांकि उनका रुख कीव के प्रति कठोर जबकि मॉस्को के प्रति काफी नरम रहा है। उनके इस रुख ने कीव और यूरोपीय देशों को चिंतित कर दिया है।

राजकाज | केन्द्रीय गृहमंत्री ने बताया सरकार का अगला प्लान

सुबह 4 बजे राज्यसभा ने लगाई मणिपुर में राष्ट्रपति शासन पर मुहर

नई दिल्ली। शुक्रवार तड़के सुबह करीब चार बजे राज्यसभा में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की पुष्टि करने वाले सांविधिक संकल्प को पारित कर दिया गया। इसे एक दिन पहले लोकसभा में भी पारित कर दिया गया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर से संबंधित प्रस्ताव को पारित करने के लिए सदन में पेश किया था। इसके बाद उच्च सदन ने ध्वनिमत से इसे पारित कर दिया। मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। गृह मंत्री अमित शाह ने सांविधिक संकल्प के संबंध में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुरूप दो महीने के अंदर ही इसे सदन में अनुमोदन के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की पहली चिंता मणिपुर में शांति स्थापित करने की है। उन्होंने कहा कि पिछले चार महीनों में मणिपुर में एक भी मौत नहीं हुई है. हालांकि, उन्होंने इस बात को स्वीकारा कि मणिपुर हिंसा में अब तक 260 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में जातीय हिंसा में 260 लोग मरे हैं लेकिन, पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा में इससे ज्यादा लोग मरे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

ने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया था, जिसके बाद राज्यपाल ने विधायकों से चर्चा की थी। बहुमत सदस्यों ने कहा था कि वो सरकार बनाने की स्थिति में नहीं हैं। इसके बाद कैबिनेट ने राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा की, जिसे राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया। अमित शाह ने मणिपुर में हालात बिगड़ने की पीछे एक अदालती फैसला को मूल कारण बताया है, जिसमें एक जाति को आरक्षण देने का जिक्र था। हालांकि, इस फैसले पर अगले ही दिन सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार चाहती है कि मणिपुर में जल्दी शांति हो, पुनर्वास हो और लोगों के जख्मों पर मरहम लगाया जाए। उन्होंने विपक्ष से मणिपुर के मुद्दे पर राजनीति नहीं करने की अपील भी की। उन्होंने सदन को ये भी बताया कि वो जल्द ही मणिपुर में दोनों समुदायों को एक साथ लाकर बातचीत भी करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मणिपुर हिंसा को लेकर जांच की मांग और श्वेत पत्र पेश करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इतनी हिंसा के बावजूद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी तक मणिपुर नहीं गए।

बुंदेलखंड कॉलेज और बुंदेलखंड राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय के बीच ऐतिहासिक एमओयू

समय जगत, झाँसी । झाँसी के दो प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, बुंदेलखंड कॉलेज और बुंदेलखंड राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आपसी सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक, अनुसंधान और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक नई शुरुआत मानी जा रही है। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से आयुर्वेदिक चिकित्सा और आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में शोध कार्य करेंगे। साथ ही, छात्रों के लिए कार्यशालाएँ, सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे, जिससे उन्हें दोनों क्षेत्रों की विशेषज्ञता का लाभ मिल सके। बुंदेलखंड कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एस. के. राय ने इस अवसर पर कहा, ष्यह एमओयू हमारे छात्रों को आयुर्वेद और परंपरागत ज्ञान से जोड़ने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। वहीं, बुंदेलखंड राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम किशोर राठौर ने इस सहयोग को

ऐतिहासिक बताते हुए कहा, ष्इससे न केवल आयुर्वेदिक चिकित्सा को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान और संसाधनों का आदान-प्रदान भी संभव हो सकेगा। इस एमओयू के तहत दोनों संस्थानों के बीच संकाय सदस्यों व विद्यार्थियों का आदान-प्रदान, संयुक्त प्रकाशन और सामुदायिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भी शामिल हैं। इस पहल को स्थानीय शिक्षा समुदाय ने सराहा है और इसे क्षेत्र के शैक्षणिक विकास के लिए एक मील का पत्थर माना जा रहा है। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. गोविंद प्रसाद अग्रवाल, प्रो. प्रदीप कुमार सचान, डॉ. उमेश चंद्र शर्मा डॉ. बृजेश मिश्र एवं डॉ. शिव प्रकाश त्रिपाठी उपस्थित रहे। यह सहयोग भविष्य में बुंदेलखंड क्षेत्र की शैक्षणिक और स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की उम्मीद जगा रहा है।

कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर की सभा

समय जगत, झांसी। कलेक्ट प्रांगण में कल फीता बांधकर विरोध करते हुए कार्य किया गया पवन कोस्टा उपाध्यक्ष मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन की अध्यक्षता में सभा की गई जिसमें प्रान्तीय आवाहन पर 17 सूत्री मांगों को लेकर काला फीता बांधकर विरोध दिवस के रूप में कार्य किया गया श्री लखन सिंह चौहान उपाध्यक्ष द्वारा बताया गया की महासंघ द्वारा मांग लगाई गई है की चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की भर्ती पर लगी रोक को हटाए जाए एवं 1800 के स्थान पर 1900 ग्रेड पे दिया जाए फील्ड कर्मचारियों को एवं दैनिक वेतन भोगी संविदा कर्मचारी को विनीयतीकारण किया जाए।

जिला मंत्री राजेंद्र कुमार द्वारा बताया गया कर्मचारियों का जनपद स्तर पर एसीपी का लाभ नहीं दिया जा रहा है जिला प्रशासन से वार्ता में यह अवगत कराया गया था स्थानीय स्तर पर अधिकारियों को प्रदेश सरकार के आदेशों को अनुपालन किए जाने हेतु निर्देशित किया जाए श्री पूरन सिंह परिहार जिला अध्यक्ष चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ द्वारा बताया गया की चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को 20: प्रोन्नति के आदेश होने के बावजूद अधिकारी शासन के आदेशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा है साथ हीमुख्य सचिव द्वारा कर्मचारी की समस्याओं को निस्तारण हेतु हर मां की 15 तारीख बैठक लेने की हेतु आवेशित किया गया है जनपद के अधिकारी शासन के आदेशों को संज्ञान न लेकर कर्मचारी को शासन के प्रति आंदोलन के लिए विवश किया जा रहा है ।

बैठक में कैलाश शगुन सिंह शिव सिंह चौहान उदय सिंह राजकुमार आदि आदि आदिअजय बालकिशन रईस मंसूरी कुंदन लाल प्रयागराज सविता शालिग्राम विनोद कुमार हरगोविंद संजय यादव संतोष आदि आदि उपस्थित रहे सभा का संचालन जिला मंत्री रामबाबू विश्वकर्मा द्वारा किया गया।

वीरांगना झलकारी बाई के बलिदान दिवस पर जन्म स्थली भोजला में लिया मूर्ति स्थापना का संकल्प

समय जगत, झांसी ।आज वीरांगना झलकारी बाई सेवा समिति के तत्वावधान में सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना झलकारी बाई का 168 वां बलिदान दिवस उनकी जन्म स्थली ग्राम भोजला में मनाया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम के मुख्य आतिथ्य ,पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य व सपा जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह यादव के विशिष्ट आतिथ्य एवं अखिल भारतीय कोरी / कोली महासभा के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर मोहन लाल सिंगरिया की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में अतिथियों, ग्रामवासियो व स्कूली बच्चों ने झलकारी बाई के बलिदान पर प्रकाश डालते हुये पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को अमीर चंद आर्य, कोमल सिंह यादव,रामजी शरण यादव, शैलेंद्र वर्मा शीलू, हरगोविंद सिंह यादव , जगदीश लाल, पप्पू सहाय, गिरजा शंकर राय, नारायण दास आदि ने संबोधित किया।

इस अवसर पर भोजला में जिला पंचायत द्वारा निर्मित वीरांगना झलकारी बाई पार्क में जनसहयोग से उनकी जयंती के पूर्व भव्य प्रतिमा स्थापित कराने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर झलकारी बाई के वंशज मंगल सिंह , महेंद्र यादव, मंगल प्रसाद, नन्नू वर्मा, गणेश वर्मा,वान सिंह , बृज किशोर वर्मा, बाल चंद भारती, बलराम शाक्या, फूल सिंह अहिरवार,देशराज, पन्नालाल, जितेन्द्र वर्मा, , सन्तोष वर्मा, राजेन्द्र अहिरवार,जितेन्द्र वर्मा, देवेन्द्र वर्मा, धर्मेंद्र वर्मा,वीरन , हिमांशु वर्मा, आनन्द वर्मा, आकाश शाक्याआदि मौजूद रहें।

कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला पंचायत सदस्य बलवान सिंह यादव ने किया और अंत में समिति के अध्यक्ष गणेश प्रसाद शाक्या ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पूनम शर्मा बनीं फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन की 42वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष

महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता और नीति-निर्माण में नए प्रतिमान स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम

समय जगत,झांसी। देश के महिला-केंद्रित व्यापार एवं उद्यमिता मंच फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (एफएलओ) के 41वें वार्षिक सत्र के अवसर पर सुश्री पूनम शर्मा ने एफएलओ की 42वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। एफएलओ, फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (थ्प्ब्ब्) का महिला प्रभाग है और यह दक्षिण-पूर्व एशिया का सबसे पुराना और प्रमुख महिला-नेतृत्व वाला व्यापारिक चौंबर माना जाता है।इस अवसर पर श्रीमती पूनम शर्मा ने कहारू मेरे नेतृत्व में एफएलओ का उद्देश्य महिलाओं की आवाज़ को ताकत देना होगा कृ ऐसी आवाज़ जो न केवल समाज की सोच को बदल सके, बल्कि नीति-निर्माण और आर्थिक निर्णयों को भी प्रभावित कर सके। हम ऐसा वातावरण बनाएंगे जिसमें महिलाएं आत्मनिर्भर बनें,

नेतृत्व करें और उद्यमिता के क्षेत्र में क्रांति लाएं।ष

एफएलओ की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सुश्री शर्मा का कार्यकाल वर्ष 2025-26 तक रहेगा। अपने इस कार्यकाल के दौरान वह महिलाओं को नेतृत्व और आर्थिक भागीदारी में आगे लाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों का संचालन करेंगी। उनका फोकस विशेष रूप से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना, कौशल विकास, स्टार्टअप्स को सहयोग, और नीति-स्तर पर महिला हितैषी निर्णयों को बढ़ावा देना रहेगा।

एफएलओ की स्थापना 1983 में फिक्की के एक प्रभाग के रूप में हुई थी। वर्तमान में इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और इसके देश भर में 20 सक्रिय अध्याय हैं। एफएलओ लगभग 13,000 से अधिक महिला उद्यमियों, पेशेवरों और कॉर्पोरेट लीडर्स का प्रतिनिधित्व करता है। यह संगठन महिलाओं को एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहाँ वे अपनी व्यावसायिक क्षमता को विकसित कर सकें और सामाजिक-आर्थिक विकास की मुख्यधारा में प्रभावशाली भूमिका निभा सकें। एफएलओ शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल सशक्तिकरण और नेतृत्व विकास जैसे क्षेत्रों में सक्रियता से कार्य करता है।

श्रीमती पूनम शर्मा स्वास्थ्य और कल्याण क्षेत्र की एक सफल और प्रगतिशील महिला उद्यमी हैं। वह बैद्यनाथ समूह परिवार से आती है ,जो आयुर्वेदिक उत्पादों का एक प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक ब्रांड है। चिकित्सा, टॉनिक, सौंदर्य उत्पादों और जीवनशैली के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के माध्यम से उन्होंने आयुर्वेद के लाभों का प्रचार-प्रसार किया और लाखों लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा की ओर आकर्षित किया।उनका समर्पण महिला सशक्तिकरण के प्रति भी रहा है। उन्होंने वीरांगना फाउंडेशन के माध्यम से महिलाओं के लिए अनेक सामाजिक और आर्थिक कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया है। एफएलओ की अध्यक्ष के रूप में श्रीमती शर्मा का ध्यान महिलाओं को नई सोच और नवाचार की शक्ति से जोड़ने, उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाने और भविष्य की नीतियों में महिलाओं की भूमिका को सशक्त करने पर केंद्रित रहेगा। वे चाहती हैं कि महिलाओं की भागीदारी सिर्फ घरेलू सीमाओं तक सीमित न रहकर, वह उद्योग, व्यापार, तकनीक, नीति-निर्माण और नेतृत्व की हर दिशा में मजबूत हो

मां काली के प्रांगण में भजन संध्या एवं विशाल भंडारे का हुआ आयोजन

समय जगत, गुरसराय(झाँसी)। नगर के मुहल्ला पटकाना में माँ काली के प्रांगण मे शुक्रवार को भजन संध्या एवं विशाल भंडारे एवं माँ काली जी का भव्य दिव्य दरबार सजाया गया।सर्वप्रथम विधिवत पूजन अर्चन अभिनव शास्त्री महाराज ने किया।भजन संध्या में आर्गन पर महेंद्र कुशवाहा,पेड पर बबलू पटेल,ढोलक पर देवेंद्र घोष,तबला पर हनी नामदेव,गायक पर संध्या देवी ने संगत दी।भजन संध्या में कलाकारों द्वारा एक से एक बड़कर भजनों की प्रस्तुति दी गयी।इस अवसर पर भक्तों ने मां काली जी की महाआरती में सम्मिलित होकर पूजा अर्चना की और माँ के जयकारे लगाए।इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।कार्यक्रम का आयोजन जय माँ काली समिति पटकाना द्वारा किया गया जोकि हर वर्ष

माँ काली जी के प्रांगण में भव्य महोत्सव मनाया जाता हैं।जय माँ काली समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नवरात्रि के उपलक्ष्य में हर वर्ष माता के पंडाल में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है।बताया गया कि भंडारा दोपहर से शुरू होकर जब तक श्रद्धालु आते है।तब तक अनवरत चलता रहता है।इस दौरान भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने के लिए भक्तों की भीड़ जुटी रही।देर रात तक भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया,जिसमें स्थानीय लोगों सहित आसपास के कई क्षेत्रों के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर गगन यादव,सार्थक नायक,मनोज अग्रवाल,सागर मिश्रा,सुरेंद्र अग्रवाल, नीरज लंबरदार,पंकज आर्या,अनुज झां,धर्मेंद्र अग्रवाल,गोपी पांचाल,सजल अग्रवाल,सोनू नामदेव,राहुल फेमस डीजे,मोहित भगत जी,मुकुल नामदेव,हरिओम पांचाल,राज सेंन,मंकू सैनी,हिमेश सैनी,केशव लक्ष्कार सहित सैकड़ो की संख्या में भक्त मौजूद रहे।

जीवन का सूत्र - ये भी चला जायेगा , जैन संत ने दिए प्रवचन

समय जगत, टहरौली । कस्बा टहरौली में जैन संत इतिहासकार बाल ब्रह्मचारी बसंत महाराज, बाल ब्रह्मचारी विज्ञानन्द महाराज एवं ब्रह्मचारी बाबू लाल ने लोगों को जीवन दर्शन पर प्रवचन दिए। जैन संत यहां 2 दिवसीय प्रवास पर आए हुए थे जहाँ प्रवचन आयोजित किये गए थे। बाल ब्रह्मचारी बसंत महाराज ने अपने प्रवचन में अनेक ज्ञानपद बातें और प्रषंग सुनाए उन्होंने कहा कि जीवन में एक बात गांठ बांध लेनी चाहिये कि यहां कुछ भी स्थायी नहीं है, एक समय के बाद सब चला जाता है। बस एक सूत्र जो याद रखने जैसा है वह है ।

यह भी चला जायेगा ष् जिसको इस बात का भान रहता है वह जीवन में निरपराध पूर्ण स्वतंत्र जीता है। प्रवचन के दौरान राजेश जैन, मुकेश जैन, जय कुमार जैन, अनुराग खरे, गोविंद प्रतीक, मनोहर साहू, मुन्ना जैन, केशव कंथरिया, नेपाल सिंह, संजीव जैन, जनक पटेल, मुहम्मद खान, राजीव जैन, सुनील जैन, आशीष उपाध्याय, जफ्फू खान, रामनारायण लक्षकार, हरनारायण लक्षकार, बृजेश लक्षकार, चतुर्भुज आर्य, रौनक जैन, संयम जैन, सक्षम जैन आदि उपस्थित रहे।

रामनवमी पर्व पर भव्यता से निकाली जाएगी विशाल राम जन्म पालना शोभा यात्रा: आचार्य हरिओम पाठक

समय जगत, झांसी। ग्वालियर रोड स्थित श्री सिद्धेश्वर मंदिर सभागार में श्री राम जन्मोत्सव पालना शोभायात्रा समिति की हुई पत्रकार वार्ता में महानगर धर्माचार्य व मुख्य संयोजक आचार्य हरिओम पाठक एवं समिति के सदस्यों ने संयुक्त रूप से बताया कि 6 अप्रैल को श्री रामनवमी पर्व पर श्री राम जन्मोत्सव पालना शोभायात्रा समिति के तत्वाधान में ग्वालियर रोड स्थित श्री सिद्धेश्वर मंदिर से शाम 5रू00 बजे विशाल पालना शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसका शुभारंभ सांसद अनुराग शर्मा एवं सदर विधायक रवि शर्मा आरती कर करेंगे। शोभा यात्रा में सबसे आगे 151 महिलाएं सर पर डलिया रखकर चलेगी।इसके बाद घोड़े पर राजा महाराजा एवं धार्मिक धुन बजाते हुए बैंड बाजे ,डीजे एवं दो घोड़े की रथ पर भगवान के विभिन्न स्वरूपों की लगभग 15 झांकियां विराजमान रहेगी। ट्रैक्टर ट्रॉली पर सजे हुए पालना में श्री राम जी का विग्रह आकर्षण का केंद्र रहेगा। शोभा यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गो एवं बाजारों से होती हुई पसरठ स्थित प्राचीन श्री रघुनाथ जी के मंदिर में विराम होगी जहां पर श्री राम जी का छप्पन भोग प्रसादी एवं महा आरती की जाएगी व प्रसाद वितरण होगा।

पत्रकार वार्ता में रवीश त्रिपाठी, जयदीप खरे, पीयूष रावत, पुरुषोत्तम स्वामी, पुरुकेश अमरिया ,मयंक श्रीवास्तव पार्षद ,योगेश नामदेव, मनोज पाठक,प्रदीप जैन आदित्य, पवन गुप्ता ,प्रभात शर्मा ,मुकेश अग्रवाल, सत्येंद्र गोस्वामी ,देवराज चतुर्वेदी, आई.पी भल्ला ,चेतन नायक, निशु जैन आदि उपस्थित रहे।

यूपी के समाज कल्याण मंत्री / स्वतंत्र प्रभार की गवाही पर अदालत ने सुनाई सिपाही को पांच साल की सजा

गोपनीय जांच के बाद 1999 में पी ए सी जवान के खिलाफ हुआ था मुकदमा दर्ज

समय जगत, झांसी । शुक्रवार को झांसी के अपर सिविल जज की अदालत ने आज से 26 साल पहले बर्ष 1999 में पी ए सी जवान के खिलाफ दर्ज़ हुए मुकदमा में ऐतिहासिक फैसला सुनाया अदालत ने पेश हुए गवाह को सुनने के बाद आरोपी सिपाही को पांच साल की क़ैद एंव अर्थ दण्ड लगाया यह सजा बर्ष 1999 मे 33 वी वाहिनी पीएसी झांसी में पदस्थ सेनानायक / आईपीएस असीम अरुण जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)का दायित्व संभाल रहें हैं की गवाही पर सजा सुनाई गई है। शुक्रवार 4 अप्रैल का दिन अदालत के इतिहास में नई इबारत लिख गया बीते 26 साल पहले 1999 में 33 वी वाहिनी झांसी के तत्कालीन सेनानायक / आईपीएस असीम अरुण को 33 वी वाहिनी पीएसी झांसी में तैनात सिपाही राजेश उपाध्याय के खिलाफ गोपनीय तौर पर शिकायत मिली थी शिकायत मिलने के बाद 33 वीं वाहिनी झांसी के तत्कालीन सेनानायक/ आईपीएस / असीम अरुण ने प्रपत्रों की गोपनीय जांच कराई तो सिपाही राजेश के सभी प्रपत्र फ़र्ज़ी पाए गए ।

जिसके बाद उक्त सिपाही राजेश के विरुद्ध झांसी पुलिस में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था जिसकी प्रसाशनिक स्तर पर लगातार पैरवी की जा रही थी जिसके बाद आज शुक्रवार 4 अप्रेल को 26 साल पहले दर्ज़ किए गए मामले में झांसी के अपर सिविल जज की न्यायालय में तत्कालीन सेनानायक / आईपीएस / वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में समाज कल्याण मंत्री स्वतंत्र प्रभार का दायित्व संभाल रहे असीम अरुण की गवाही पर अदालत ने दोष सिद्ध होने पर सिपाही राजेश उपाध्याय को पांच साल की क़ैद एंव अर्थ दण्ड की सजा सुनाई ।

जूनियर बालक बालिका स्टेट कुश्ती चैम्पियनशिप हेतु झांसी टीम को शुभकामनाएँ देकर किया मेरठ रबाना

समय जगत, झांसी। आज जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष मनमोहन गेडा ने बताया कि मेरठ में आयोजित अंदर 20 जूनियर बालक बालिका कुश्ती टीम को झासी रेलवे स्टेशन से चंडीगढ़ एक्सप्रेस से रबाना किया ,मेरठ मे बालिकाओं की कुश्ती 5 अप्रैल को एवं बालकों की 6 तारीख को फ्री स्टाइल बालक वर्ग की कुश्ती होगी जिसमें 65 किलो वजन वर्ग में सत्येंद्र पहलवान से इस बार स्वर्ण पदक की उम्मीद है 7 तारीख को गिरी को रोमन शैली का कंपटीशन होगा इस अवसर पर टीम का रेलवे स्टेशन पर सभी खिलाड़ियों को माला पहनाकर एवं जीत की शुभकामनाओं देकर रबाना किया गया !इस अवसर पर टीम मैनेजर सुंदर ग्वाला ,टीम कोच मेघा नरवारे ,मोनी पहलवान ,सैमुअल पीटर पहलवान पूर्व इंटर रेलवे चौंपियन, सोहन साहू ,अशोक अग्रवाल पीएनबी आदि मौजूद रहे ।

जताया शोक

गुरसराय। टिंकू मुखिया पसराई की दादी के निधन पर हुई एक शोक सभा मे जिला पंचायत सदस्य जितेन्द्र पटेल,सहकारी बैक के डायरेक्टर सुबोधपटेल,आकाश पटेल,दृगपाल पटेल,राघवेन्द्र निरंजन ,अनुराग कृष्ण पाठक आदि ने शोक व्यक्त किया।

वीरांगना झलकारी बाई का 168 वॉ बलिदान दिवस मनाया

समय जगत, झांसी। डॉ.अम्बेडकर राष्ट्रीय अधिवक्ता संघ (भारत)यूनिट झांसी के तत्वावधान में वीरांगना झलकारी बाई जी का 168 वॉ बलिदान दिवस पर उन्हें कोटि कोटि नमन किया गया । वीरांगना झलकारी बाई जी के चित्र पर माला पहनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई वीरांगना झलकारी बाई ने गोरों को रण में धूल चटाई इस मौके पर एड.चन्द्रभान आदिम, एड. सन्तोष कुमार दोहरे, एड.रविन्द्र कुमार नगरा, एड.प्रमोद शिवहरे, एड.सुनीता केसरी, एड.राजयोगेंद्र कुमार, एड. अरविन्द वर्मा, एड सुधीर कुमार श्रीवास्तव, एड. रमेश चन्द्र अहिरवार, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.पप्पू राम सहाय, इंजी. जगदीश लाल, एड. इंजी. मोहन लाल सिगरिया, बी.आर.निषाद (पत्रकार) बट्टा गुरु, एड.विशाल बंगार, एड.अभिषेक आदिम, एड.डोरी लाल वर्मा, एड. महेश चन्द्र अनुरागी, एड. राजेन्द्र कुमार अहिरवार, एड.शिव चरण लच्छे, एड.जितेन्द्र मौर्य, एड.वैभव कुमार बट्टा ने नमन किया।

प्याऊ लगने से आने जाने वाले राहगीरों को मिलेगी राहत: कंचन आहूजा

समय जगत, झांसी। उत्तर प्रदेश महिला उद्योग व्यापार मंडल झांसी के तत्वावधान में चैत्र नवरात्र के पावन पर्व पर आज आंतिया ताल स्थित बड़े हनुमान जी के मंदिर के पास एक शीतल जल के प्याऊ का शुभारंभ शहर में पड रही भीषण गर्मी को देखते हुए किया गया । संगठन की जिलाध्यक्ष श्रीमती कंचन आहूजा जी ने बताया की उक्त प्याऊ की स्थापना करने का उद्देश्य आने वाले समय में अत्यधिक गर्मी से बेहाल राहगीरों को राहत प्रदान की जा सके और उन्हें शीतलता का अनुभव हो और आने वाले समय में संगठन ने और भी विभिन्न जगहों पर आमजनमानस के लिए ईसी तरह प्याऊ लगाने का संकल्प लिया !इस अवसर पर प्रमुख रूप से संगठन के प्रांतीय युवा अध्यक्ष जितेंद्र सोनी,,युवा जिला अध्यक्ष प्रदीप त्रिपाठी,महिला जिला चेयरपर्सन नीलम खन्ना, कोषाध्यक्ष भावना अग्रवाल, ममता यादव, निशा गोयल, पद्मा सेठ आदि उपस्थित रहे. ममता यादव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने के लिए कृत्रिम बारिश कराएगी सरकार

आईआईटी कानपुर करेगा सहयोग

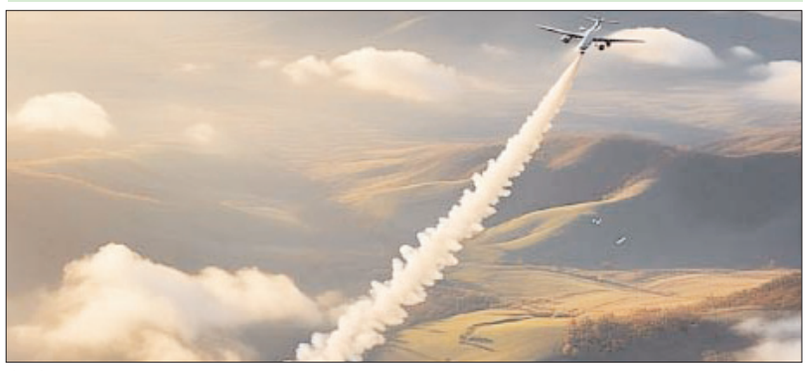

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार कृत्रिम बारिश कराने की दिशा में प्रयास कर रही है। इसी उद्देश्य को लेकर बृहस्पतिवार को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक हुई। इसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत ट्रॉपिकल मौसम विज्ञान संस्थान, पर्यावरण मंत्रालय, आईआईटी कानपुर, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने क्लाउड सीडिंग के माध्यम से आर्टिफिशियल रेन की संभावनाओं पर चर्चा की। बैठक में आईआईटी कानपुर की टीम ने पूरी प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा कि इससे वायु प्रदूषण को कम करने में मदद मिल सकती है। आईआईटी कानपुर ने पहले भी क्लाउड सीडिंग में सफलता प्राप्त की है और बारिश कराने की इस तकनीक के पिछले सात में से छह प्रयोग सफल रहे हैं। बैठक में इस पहल को लागू करने के लिए जरूरी नियमों और अनुमतियों पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने नियामक मंजूरी, उड़ान स्वीकृतियों और विभागों के बीच तालमेल पर विचार किया, ताकि यह योजना आसानी से लागू हो सके। इस मौके पर सिरसा ने कहा कि सरकार वायु प्रदूषण के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ रही है। यह सिर्फ एक प्रयास नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देने का हमारा कर्तव्य है। दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण को कम करने के लिए लगातार आधुनिक तकनीकों को अपना रही है। रियल टाइम एयर क्वॉलिटी मॉनिटरिंग, स्मॉग टावर और पराली प्रबंधन के लिए बायो डीकंपोजर सहित अन्य पहल इसकी भविष्य की रणनीति का अहम हिस्सा हैं, जो स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारियों ने मंत्री को एक ऑनलाइन पोर्टल के बारे में जानकारी दी, जो निर्माण गतिविधियों से होने वाले डस्ट पॉल्यूशन को रोकने और 14 सूत्रीय कार्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने में मदद करेगा। इसके अलावा मंत्री ने निर्माण स्थलों पर सेल्फ ऑडिट और सेल्फ असेसमेंट को बढ़ावा देने, पीटीजेड कैमरों के साथ वीडियो फेंसिंग लगाने और पीएम 2.5 स्तर की निगरानी के लिए सेंसर लगाने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके नियमों का उल्लंघन करने पर पेनल्टी और चालान जारी किए जाएं।

पीएमसओई महाविद्यालय मैहर में रासेयो के शिविर का हुआ समापन

समय जगत, मैहर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैहर में दिनांक 04/04/ 2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना सप्त दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ । शिविर की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर राजेश सिंह ने किया। प्राचार्य ने शिविर की सफलता पर कार्यक्रम अधिकारियों को बधाई दी तथा शिविर के महत्व के विषय में स्वयंसेवकों को बताया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अभिमन्यू भूरतिया अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा रहे जिन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास पर प्रकाश डाला तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य एवं उद्देश्य के महत्व को स्वयंसेवकों से साझा किया। जिला संगठक क्रांति मिश्रा ने नेतृत्व की भावना के विकास के बारे में बताया द्य पूर्व प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारी रा से यो डॉ आर पी तिवारी ने स्वयंसेवकों का महाविद्यालय विकास में योगदान की चर्चा की। सेवा निवृत्ति प्राध्यापक डी डी ओचानी ने धैर्य एवं साहस के बारे में बताया और जीवन में उसका पालन करने के लिए बल देने पर बात कही। शिविर में स्वयंसेवकों को सर्टिफिकेट, मैडल एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई । शिविर समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राध्यापक सह प्राध्यापक , सहायक प्राध्यापक, कर्मचारी उपस्थित हुए । कार्यक्रम का संचालन अनुराग श्रीवास्तव, डॉ गुंजा पवार ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉक्टर अंकित कृष्ण पांडे के द्वारा किया गया ।

सार-समाचार

आदिल को बनाया प्रदेश सचिव

समय जगत, भोपाल। राजधानी के युवा समाजसेवी आदिल खान को यूनिवर्सल हुमन राइट्स परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ तरुण बांकोलिया ने मध्य प्रदेश का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के बाद समर्थकों ने आदिल खान को बधाई दी एवं वरिष्ठ जनों का आभार व्यक्त किया है।साथ ही उम्मीद जताई गई है कि आदिल द्वारा संगठन की अपेक्षाओं के अनुरूप अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी एवं दायित्वपूर्ण निर्वहन करते हुए मानवाधिकारों की रक्षा एवं संरक्षण में संगठन की प्रतिष्ठा बढ़ाने में अपना अग्रणी योगदान सुनिश्चित किया जायेगा।

सीएम बनने के बाद पहली बार दिल्ली विश्वविद्यालय पहुंची रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री दिल्ली विश्वविद्यालय पहुंची। डीयू में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा डीयू के दौलत राम कॉलेज ने मुझे लीडर बनाया। डीयू का कोई भी काम दिल्ली सरकार की वजह से नहीं रुकेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, मुख्यमंत्री बनने के बाद मैं पहली बार दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस में आई हूं। मुझे बहुत खुशी हो रही है कि मैंने उस विश्वविद्यालय से शिक्षा ली है जिसका दुनिया में इतना नाम है, जिसे हम कह सकते हैं कि हिंदुस्तान का सबसे प्रतिष्ठित संस्थान है। आज मैं इस कैंपस में खड़े होकर कह सकती हूं कि दिल्ली विश्वविद्यालय का जो नाम दुनिया में है, उसे और बढ़ाना है और पूरी दिल्ली में शिक्षा व्यवस्था को इस स्तर पर लाना है ताकि हर एक बच्चे को स्कूल से लेकर कॉलेज तक बेहतर शिक्षा मिले।

फरीदाबाद मंडल में हैं वक्फ की 2700 से ज्यादा संपत्तियां, 500 पर चल रहा विवाद

फरीदाबाद। वक्फ संशोधन बिल को लेकर जिले में मौजूद विशेष समुदाय के लोगों ने विरोध किया है। विशेष समुदाय के लोगों का कहना है कि उनकी संपत्ति पर दूसरे समुदाय के लोग कब्जा करना चाहते हैं इसलिए उनके विरोध में बिल लाया गया है। फरीदाबाद मंडल के जिला फरीदाबाद, पलवल, नूंह में 2700 से ज्यादा संपत्तियां हैं, जिनमें करीब 500 संपत्तियों पर विवाद चल रहा है। हरियाणा वक्फ बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक फरीदाबाद मंडल में वक्फ की सबसे ज्यादा संपत्तियां नूंह जिले में हैं। यहां कुल 2218 संपत्तियां हैं, जिनका क्षेत्रफल 4218 एकड़ से अधिक है। इसके मुकाबले, फरीदाबाद और पलवल में वक्फ की 527 संपत्तियां हैं, जो 626 एकड़ में फैली हुई हैं। फरीदाबाद और पलवल में वक्फ की करीब 350 और जिला नूंह में वक्फ की करीब 150 संपत्तियों पर विवाद चल रहा है। लक्कड़पुर सूरजकुंड रोड स्थित मदरसा हिदायत तुल मस्जिद के मौलाना अब्दुल सतार रबानी का कहना है कि सरकार ने बिल के साथ जो छेड़छाड़ की है वह उनके समुदाय के लोगों के साथ नाइंसाफी हुई है। अब सरकार वक्फ प्रबंधन को नियंत्रित करना चाहती है और हस्तक्षेप की नीयत कर रही है। जो सही नहीं है। पहले जो अधिकार बोर्ड के पास हुआ करते थे वह अब अधिकार जिला उपायुक्त को दिए जा रहे हैं।

वीडी शर्मा ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से की मुलाकात

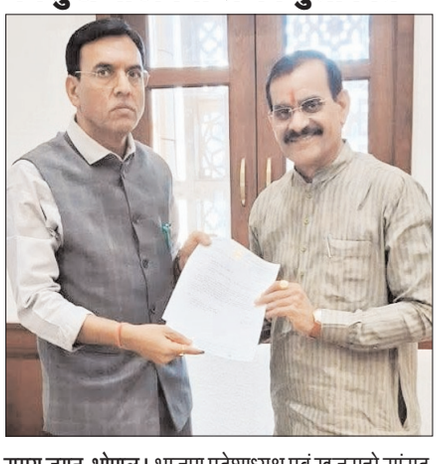

समय जगत, भोपाल। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं खुजराहो सांसद वीडी शर्मा ने नई दिल्ली में केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार,युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख माडविया से भेंट की। इस दौरान वीडी ने अपने खजुराहो संसदीय क्षेत्र के पन्ना जिले में खेलो इंडिया के तहत स्टेडियम निर्माण तथा खजुराहो नगर में भारतीय खेल प्राधिकरण के उपकेन्द्र की स्थापना हेतु आग्रह किया।

आंधी पानी से उखड़े पेड़, कई बकरियों की दबकर मौत

बांदा। सुबह अचानक मौसम ने करवट ली। आंधी और पानी आने से मकान के अंदर लगा पेड़ जड़ से उखड़ कर गिर गया। इसमें तीन बकरियां दब गई और उनकी मौत हो गई। एक भैंस भी दब गई है। जनपद के तिंदवारी थाना क्षेत्र के महेदू गांव में तेज आंधी और पानी आ जाने से मकान के अंदर लगा हुआ पेड़ उखड़ कर गिर गया। पेड़ गिर जाने से मकान के अंदर बैठी तीन बकरियां उसमें दब गई। इससे बकरियों की मौत हो गई। वहीं पेड़ की चपेट में एक भैंस भी आ गई है। गृह स्वामी के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि अचानक सुबह तेज आंधी और पानी आने से पेड़ उखड़ कर गिर गया है।

दिव्यांग दंपति ने बेटी संग लगायी न्याय की गुहार

बांदा। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे दिव्यांग दंपति अपनी बेटी के साथ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर न्याय की मांग की है। ग्राम हरदोनी थाना मटौंध निवासी ने बताया कि गांव के ही दबंग गजोधर, बोधी पुत्रगण रामआसरे उसके दरवाजे मे आकर घर के रास्ते के निकास को लेकर मेरे दिव्यांग पति को गाली गलौज करते है। मना करने पर दबंग घर मे घुस कर गाली गलौज करने लगे हैं। जान से मारने की धमकी भी देते हैं। दबंग कह रहे थे कि अगर हमारी शिकायत किया तो तुम्हे परिवार सहित जान से मार डालेगें। धमकी देते रहे कि मटौंध थाने की पुलिस को हम पैसे के बल पर खरीद लेते है। कहीं भी शिकायत करोगे तो हमारे खिलाफ कही भी कार्यवाही नही होगी।

पालम विहार थाना क्षेत्र का मामला, दमकल की पांच गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

हीरो इलेक्ट्रिक के शोरूम में लगी आग, 25 दोपहिया वाहन जले

गुरुग्राम। पालम विहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत अशोक विहार स्थित युवान ऑटो मोबाइल के नाम से हीरो इलेक्ट्रिक के शोरूम में बृहस्पतिवार की सुबह आग लग गई। आग ने शोरूम की इमारत के बेसमेंट वाले पूरे हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। यहां पर काफी संख्या में ई-स्कूटी और चार्जिंग बैटरी रखी थी।

आगजनी की घटना में लगभग 25 दोपहिया वाहन जलने की सूचना है। आग की लपटें उठती देख भूतल पर मौजूद शोरूम कर्मियों ने फायर विभाग को कॉल करके सूचना दी। सूचना मिलते ही पांच दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि बिजली के मीटर से शॉर्ट सर्किट होने से शोरूम में आग लगी है। बृहस्पतिवार को शोरूम खुलने से कुछ देर पहले लगभग 9.30 बजे बेसमेंट में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। कुछ ही मिनट में आग ने विकराल रूप ले लिया। कर्मचारियों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया। देखते ही देखते आग फैल गई। इसके बाद शोरूम में आग लगने की सूचना फायर स्टेशन पर दी गई। दमकल की गाड़ियों ने लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि शोरूम में रखी बैटरियों में धमाका नहीं हुआ, इससे बड़ा हादसा टल गया। शोरूम के मालिक आयुष ने बताया कि उनके शोरूम के बिजली मीटर में समस्या आई हुई है। इसके बारे में बिजली निगम को ई-मेल के माध्यम से मीटर को ठीक करने या बदलने की सूचना भी दी थी। बुधवार को वे स्वयं बिजली निगम के कार्यालय में जाकर मीटर संबंधी शिकायत देकर आए हैं। उन्होंने बताया कि बिजली निगम की ओर से मीटर को ठीक करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई और मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से उनके शोरूम में आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग से लगभग 25 ई-स्कूटी जल गई हैं। भीमनगर फायर स्टेशन के अधिकारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि सुबह 9.30 बजे स्कूटी के शोरूम में आग लगने की सूचना मिलने पर तुरंत दो गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इसके अलावा दो गाड़ी उद्योग विहार फायर स्टेशन व एक गाड़ी सेक्टर-37 फायर स्टेशन से भेजी गई थी। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के संबंधित क्षेत्र के एसडीओ रविंद्र पाल का कहना है कि हीरो इलेक्ट्रिक स्कूटी के शोरूम मालिक की तरफ से अभी तक कोई मेल प्राप्त नहीं हुई है। संबंधित जेई की ओर से भी मेरे संज्ञान में ऐसी कोई शिकायत नहीं भेजी गई है। इसके बारे में जानकारी ली जाएगी और जांच कराई जाएगी।

पुलिस बल के साथ शहर क्षेत्र में हुआ फ्लैग मार्च

बांदा। नवरात्र, रामनवनी पर्व व वक्फ बिल संशोधन कानून के दृष्टिगत जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र राजेश एस. व पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल द्वारा शहरी क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया। बाबूलाल चौराहा, खाईपार, मर्दननाका, मुख्य बाजार, महेश्वरी देवी मंदिर सहित मिश्रित आबादी वाले व भीड-भाड़ वाले क्षेत्रों में पैदल गश्त करते हुए लोगों में सुरक्षा की भावना को पुलिस अधिकारियों ने सुदृढ़ किया। इस दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा क्षेत्राधिकारी नगर व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर को निर्देशित किया गया। कहा कि लगातार होटलों. ढाबों, रेस्टोरेंटो तथा लॉजों को चेक करते रहें। इस दौरान सोशल मीडिया सेल को निर्देशित किया गया कि सोशल मीडिया पर सतत सतर्क निगरानी की जाए। भ्रामक खबरों का तत्काल खंडन किया जाये। भ्रामक खबर चलाने वालों पर कार्यवाही की जाए।

मारपीट करने पर मुकदमा दर्ज करने की मांग

बांदा। मटौंध थाना अंतर्गत इन्द्रापुरवा के ग्रामीणों ने न्याय के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर दबंगों पर मारपीट गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उन्होंने शिकायती पत्र देकर कहा कि गांव के रास्ते से तेज रफ्तार बालू भरे ट्रैक्टर निकालने का विरोध किया था। विरोध करने पर दबंगों ने पुलिस की मौजूदगी में उनके साथ गाली गलौज और मारपीट की है। पूरी घटना के दौरान पुलिस तमाशबीन बनी रही। पीड़ितों ने भूरागढ़ चौकी पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं।

विशेष शिविर आयोजित कर घुमंतु, अर्ध-घुमंतु समुदाय को प्रदान की स्वास्थ्य सेवाएं

धौलपुर। आपणो स्वस्थ राजस्थान की संकल्पना को साकार करने मे चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अपनी अहम भूमिका निभा रहा हैं। इसी क्रम में जिले का स्वास्थ्य महकमा भी समाज की मुख्यधारा से दूर घुमंतू, अर्ध-घुमंतु और विमुक्त समुदाय के लिए उनके निवास स्थान पर ही विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर उन्हें स्वस्थ रखने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा ने बताया कि यह शिविर स्वास्थ्य सेवाओं को वंचित वर्ग तक पहुँचाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। बाड़ी ब्लॉक के ग्राम पंचायत नकसौदा में जमुरा अड्डा,मोंगिया अड्डा में आयोजित शिविर में जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शिव कुमार शर्मा के नेतृत्व में करीब 50 परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिया गया। शिविर में गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, टीबी, किशोर-किशोरी स्वास्थ्य देखभाल, परिवार कल्याण सेवाएँ, सामान्य बीमारियों की जांच एवं गैर-संचारी रोगों की पहचान की गई। महिलाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए उन्हें तीन-तीन पैकेट सैनिटरी नैपकिन भी वितरित किए गए। अनुभवी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने मरीजों की जांच कर उन्हें, परामर्श व आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई। समुदाय के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने एवं अपनी सेहत को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया गया। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग का अन्य सामाजिक संस्थाओं द्वारा सहयोग किया गया। शिविर के दौरान बीसीएमओ बाड़ी डॉ.गब्बर सिंह, यूएनएफपीए जिला समन्वयक रिपुंजय कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

एसटीएफ ने डेढ़ लाख रुपये के इनामी शूटर को भेजा जेल

मामले में अभी तक चार आरोपी हो चुके गिरफ्तार

गुरुग्राम। बीती 18 मार्च को हयातपुर में शराब कारोबारी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में एसटीएफ ने दो दिन पहले मुख्य शूटर अंकित उर्फ धोलिया को गिरफ्तार किया था। आरोपी पर अलग-अलग मामलों में डेढ़ लाख रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। एसटीएफ ने शूटर अंकित उर्फ धोलिया को अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया है। एसटीएफ शराब कारोबारी हत्या मामले में अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। थाना सेक्टर-10 के अंतर्गत हयातपुर गांव में 18 मार्च की शाम लगभग चार बजे दो बदमाशों ने कार्यालय में घुसकर फायरिंग की थी। इस वारदात में शराब कारोबारी बलजीत यादव की मौत हो गई थी, जबकि दो लोग रविंद्र व राम गोली लगने से घायल हो गए थे। गुरुग्राम पुलिस की टीमों ने कार्रवाई करते हुए खुर्रमपुर निवासी शूटर टेकचंद को गिरफ्तार किया था। शूटर को लेकर गुरुग्राम पुलिस मोबाइल बरामद करने करनाल लेकर गई थी। शूटर टेकचंद ने पुलिस टीम पर अचानक हथियार से फायरिंग कर दी थी। गुरुग्राम पुलिस की टीम ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपी के पैर में गोली मार दी थी। पुलिस ने गोलियां चलाने वाले टेकचंद को गिरफ्तार कर लिया था। जिसके बाद पुलिस ने दूसरे आरोपी मोहित को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बेरी गेट झज्जर का रहने वाला है और उसके खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। इसके बाद पुलिस ने तीसरे आरोपी दीपक को गिरफ्तार करके रिमांड पूरा होने पर जेल भेजा जा चुका है। एसटीएफ के निरीक्षक नरेंद्र की टीम ने शूटर अंकित उर्फ धोलिया को दो दिन पहले मोहाली से गिरफ्तार किया है। अंकित उर्फ धूलिया को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया है। अंकित उर्फ धोलिया हरियाणा का हार्डकोर अपराधी है। उस पर हरियाणा, राजस्थान सहित अन्य कई राज्यों में हत्या, शस्त्र अधिनियम, एनडीपीएस, लड़ाई-झगड़ा संबंधी 20 से अधिक मामले दर्ज हैं। राजस्थान पुलिस ने अंकित उर्फ धोलिया पर एक लाख रुपये और हरियाणा पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। आर्म्स एक्ट के एक मामले में कुछ बदमाश पुलिस के सर्विलांस पर हैं। शराब कारोबारी बलजीत यादव पर अंकित ने गोलियां बरसाई थीं, जो वह गोलियां चलाते हुए सीसीटीवी में भी दिखाई दे रहा है। बलजीत हत्याकांड को अंजाम देकर आरोपी मोहाली में पहुंच गया। मोहाली में एक फ्लैट में फरारी काट रहा था। एसटीएफ को इसके बारे में इनपुट मिला था कि फ्लैट में इनामी बदमाश ठहरा हुआ है। पुलिस ने घेराबंदी कर अंकित उर्फ धोलिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पुलिस ने एक पिस्टल भी रिकवर की है।

इनका कहना है

आरोपी इस हत्याकांड में मुख्य शूटर रहा है। आरोपी पर पिलानी में एक लाख रुपये का इनाम रखा हुआ है। वहीं, फर्रुखनगर थाना के अंतर्गत एक मामले में वांछित होने पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। आरोपी की दोनों राज्यों की पुलिस तलाश कर रही थी।

प्रीतपाल सांगवान, डीएसपी, एसटीएफ।

संपादकीय

शैक्षणिक सुधार के लिये हों परिणामदायक प्रयास

व्यक्ति के जीवन में शिक्षा और शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। कल्पना करें–एक बच्चा सुबह-सुबह स्कूल की ओर चल पड़ता है, कंधे पर बस्ता, मन में सपने और आँखों में चमक। लेकिन स्कूल पहुँचते ही उसका दिल टूट जाता है–दरवाजे पर ताला, शिक्षक गायब, और चारों ओर सन्नाटा। मध्यप्रदेश में सरकारी स्कूलों को चमकाने के लिए सरकार ने ढेरों योजनाएँ शुरू कीं–नई इमारतें, मुफ्त किताबें, मिड-डे मील। लेकिन जब जमीनी हकीकत सामने आती है, तो सारा ढाँचा खोखला नजर आता है। शिक्षक समय पर नहीं आते, स्कूल प्रबंधन सोया रहता है, और शिक्षा विभाग की निगरानी बस कागजों तक सीमित है। प्रवेश उत्सव जैसे आयोजन, जो बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए होते हैं, महज औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। नतीजा सामने है–बच्चों की उपस्थिति गिर रही है, ड्रॉपआउट की दर बढ़ रही है, और शिक्षा की गुणवत्ता धूल चाट रही है। योजनाएँ तो हैं, पर जब तक शिक्षकों और प्रशासन की जवाबदेही तय नहीं होगी, ये सब बेकार हैं। एक पल को रुकें और सोचें–वह बच्चा जो स्कूल के लिए मीलों पैदल चलता है, धूप-धूल में अपने सपनों को सींचता है, उसे क्या मिलता है? एक खाली कक्षा, एक अनुपस्थित शिक्षक और टूटती उम्मीदें। मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों पर ज्यादातर गरीब परिवारों के बच्चे निर्भर हैं। उनके लिए स्कूल सिर्फ पढ़ाई की जगह नहीं, बल्कि जिंदगी बदलने का एकमात्र रास्ता है। लेकिन जब शिक्षक ही अपनी जिम्मेदारी से मुँह मोड़ लें, तो ये बच्चे कहाँ जाएँ? यह सिर्फ शिक्षा का संकट नहीं, बल्कि लाखों मासूमों के भविष्य पर लगा ग्रहण है। हर गायब शिक्षक के साथ एक बच्चे का सपना मरता है–क्या हम इसे यूँ ही देखते रहेंगे? हालाकि कई स्कूल ऐसे भी हैं जहां की पठन- पाठन व्यवस्था बेहतर है लेकिन अव्यवस्था के शिकार स्कूलों की व्यवस्थाएं दुरुस्त होनी चाहिये। अगर मध्यप्रदेश की शिक्षा को बचाना है, तो अब नरमी नहीं, सख्ती चाहिए। उमरिया में हुई कार्रवाई इसकी मिसाल है–जब कड़ा कदम उठाया गया, तो संदेश साफ गया कि लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं होगी। लेकिन यह काफी नहीं है। हर जिले में नियमित औचक निरीक्षण होने चाहिए। डिजिटल मॉनिटरिंग जैसे बायोमेट्रिक सिस्टम से शिक्षकों की उपस्थिति पर नजर रखी जा सकती है। स्कूलों में बुनियादी सुविधाएँ–साफ पानी, शौचालय, बिजली–को अनिवार्य करना होगा। साथ ही, शिक्षकों को न सिर्फ सजा, बल्कि बेहतर प्रशिक्षण और प्रोत्साहन भी देना होगा, ताकि वे ड्यूटी को बोझ नहीं, बल्कि जुनून समझें। यह सिर्फ नियम लागू करने की बात नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता देने का वादा है। प्रदेश में शैक्षणिक सुधार के परिणाम धरातल पर दिखाई देने चाहिये।

ट्रंप के टैरिफ का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर जल्द दिखेगा असर

डॉ. हिदायत अहमद खान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ मामले में जो कहा वह करके दिखला दिया है। इसे लेकर दुनियां के अनेक देश दोस्ती और दुश्मनी वाला फार्मूला तलाशने में लग गए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप के टैरिफ से किसे क्या नुक्सान और क्या फायदा होगा, लेकिन इतना तो तय है कि ट्रंप ने एक बार फिर अपनी व्यापारिक नीतियों से वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। हाल ही में उन्होंने चीन, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। चीन पर 34 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा, भारत से अमेरिका में आयात होने वाले सामानों पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की घोषणा की गई। ट्रंप का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। जहां तक भारत की बात है तो ट्रंप ने यहां के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करते हुए दावा किया कि भारत अमेरिकी आयात पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। हालांकि, भारतीय व्यापार नीति और अमेरिकी निर्यात पर लगाए गए करों का विश्लेषण करने पर यह आंकड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। इसलिए यदि यह कहा जा रहा है कि ट्रंप की यह नई घोषणा भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को प्रभावित कर सकती है, तो गलत नहीं है। देखने वाली बात तो यह भी है कि जिस तरह से ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको को लेकर बयान दिए थे, उसके बाद यही कहा जा रहा था कि इन देशों पर सौ फीसद टैरिफ लगाया जा सकता है, लेकिन इसके उलट व्हाइट हाउस ने कनाडा और मैक्सिको को इस टैरिफ से छूट दे दी। इसकी वजह इन दोनों देशों के साथ अमेरिका के मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते लागू होने को बताया जा रहा है। मतलब यह हुआ कि ट्रंप बयान कुछ देते हैं और नीति कुछ और लागू करते हैं, जिसका उदाहरण ये दो देशों को टैरिफ से छूट और भारत को दोस्त बताने के बावजूद टैरिफ में शामिल करना है। इस स्थिति में ट्रंप के अन्य देशों पर लगाए गए नए शुल्क वैश्विक व्यापार पर महत्वपूर्ण असर डालने वाले साबित हो सकते हैं, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था अस्थिर हो सकती है। ट्रंप की नई टैरिफ नीति के चलते वैश्विक व्यापारिक संतुलन बिगड़ सकता है। विचार करने वाली बात है कि कोविड-19 महामारी के बाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था अभी बमुश्किल संभलने का प्रयास कर रही थी कि यह नया झटका निवेशकों की चिंता बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। यह टैरिफ वैश्विक व्यापारिक वृद्धि को धीमा कर सकते हैं, कॉर्पोरेट आय पर असर डाल सकते हैं और महंगाई बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं हुआ कि अमेरिका दुनियां के अन्य देशों से हटकर मंदी की मार से बच रहेगा। बल्कि इसका बुरा असर उस पर भी पड़ेगा। इसका आंकलन करते हुए ही इंफ्रास्ट्रक्चर कैपिटल एडवाइजर्स के सीईओ जय हैटफील्ड कहते हैं, कि यह सबसे बुरी स्थिति है, जिसकी बाजार को उम्मीद थी। अमेरिका को मंदी में धकेलने के लिए यह टैरिफ काफी हैं, और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी। इसी प्रकार नोमूरा रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रमुख अर्थशास्त्री ताकाहिदे कियुची ने भी ट्रंप की इस नीति को ग्लोबल फ्री ट्रेड के लिए खतरा बताया है। उनका मानना है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका ही वैश्विक मुक्त व्यापार का नेतृत्व कर रहा था, लेकिन इस तरह के टैरिफ से यह प्रणाली बुरी तरह प्रभावित होगी। ऐसे में भारत समेत दुनियां के अनेक देशों के लिए यह नई टैरिफ नीति चिंता का विषय बनी हुई है। भारतीय निर्यातकों को डर है कि इससे उनके उत्पादों की अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता घट जाएगी। अगर अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो भारतीय व्यापारियों को अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी, जिससे उनकी मांग कम हो सकती है। मांग घटने पर आपूर्ति घट जाएगी और उत्पादन पर विपरीत असर पड़ेगा। कंपनी व उद्योग जगत को खासा नुक्सान उठाना पड़ेगा। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका के ये कड़े कदम वैश्विक व्यापार युद्ध को और भड़का सकते हैं। यूरोपीय संघ और चीन जैसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका की इस नीति के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगा सकते हैं, जिससे वैश्विक व्यापार और अधिक जटिल हो सकता है। कुल मिलाकर ट्रंप के टैरिफ से केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियां के अन्य देश भी बुरी तरह प्रभावित होंगे, जिससे अमेरिका खुद भी अछूता नहीं रह पाएगा। अब यदि अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति में नरमी नहीं दिखाई, तो भारत को इसका संतुलित जवाब तो देना ही होगा। गौर करने वाली बात यह है कि भारत अमेरिका से कई महत्वपूर्ण तकनीकी और रक्षा उपकरण आयात करता आया है, और यदि यह व्यापार प्रभावित हुआ तो इससे दोनों देशों के संबंधों पर भी असर पड़ सकता है। इससे पहले भी, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार विवाद सामने आए हैं। जैसे कि 2019 में ट्रंप प्रशासन ने भारत को 'जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेस' से बाहर कर दिया था, जिससे भारत को अमेरिका में व्यापारिक छूट मिलना बंद हो गई थी। अब नए टैरिफ के चलते व्यापारिक रिश्ते और अधिक जटिल होने की आशंका है।

अंत में निकला ये परिणाम... राम से बड़ा राम का नाम

नजरिया

कहते हैं कि जब लंका जाने के लिए श्री राम की वानर सेना समुद्र के ऊपर पुल का निर्माण कर रही थी और वानर समुद्रमें पत्थर फेंक रहे थे, तो प्रभु श्री राम नेदेखा कि वानर समुद्र में पत्थर पर राम नाम लिखकर फेंक रहे हैं और पत्थर तैर रहे हैं। उन्होंने सोचा कि जब मेरा नाम लिखा पत्थर तैर रहा है तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकूँतो वो भी तैरेगा। यही सोचकर उन्होंने एक पत्थर उठाया और समुद्र में फेंका। लेकिन वो पत्थर डूब गया। वे आश्चर्य में पड़कर सोचने लगे कि ऐसा क्यों हुआ। दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। कौतूहल वशश्री राम ने हनुमानजी से पूछा कि मेरे नाम के पत्थर समुद्र में तैर रहे हैं लेकिनजब मैंने वह पत्थर फेंका तो डूब गया? तब हनुमानजी बोले, प्रभु आपके नाम को धारण करके तो सभी अपने जीवनको पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग दें, भला उसे डूबने से कोई कैसे बचा सकता है! इसीलिए कहा गया है कि रामसे बड़ा राम का नाम।

डॉ नीलम महेंद्र

वो त्रेता युग का समय थाजब सूर्यवंशी महाराज दशरथ के घर कौशलनन्दन श्री राम का जन्म हुआ था। समय कहाँ रुकता है भला! तो वह अपनी गति से चलता रहा। आज हम द्वापर से होते हुए कलियुग में आ गए हैं। लेकिन इतने सहस्त्रों वर्षों के बाद भी, इतने युगों के पश्चात भी प्रभु श्री राम का चरित्र देश देशांतर की सीमाओं से परे, वर्षों और युगों के कालचक्र को लांघकर अनवरत सम्पूर्ण विश्वको आकर्षित करता रहा है। हरे रामा, हरे कृष्णा का जाप आज वैश्विक स्तर पर एक अनूठी आध्यात्मिक सन्तुष्टि, परम् आनन्द की अनुभूति एवं मनुष्य को एक अलग हीआनन्दमय लोक में पहुँच जाने का अनुभव दिलाने वाला सर्व स्वीकार्य मंत्र बन चुका है। दरअसल श्री राम का चरित्र ही ऐसा है। एक आदर्श पुत्र हो या एक आदर्श भ्राता (भाई), एक आदर्श पति हो या एक आदर्श राजा, एक आदर्श मित्र हो या फिर एक आदर्श शत्रु! राम मर्यादाओं में रहने वाले,पुरुषों में उत्तम,ऐसे च्मर्यादा पुरूषोत्तम हैं जिनका जीवन कठिनाइयोंएवं संघर्षो से भरा रहा किंतु फिर भी मानव रूप में उन्होंने मुस्कुराते हुए सहजरूप से धर्म की राह पर चलते हुए इस प्रकार अपना जीवन व्यतीत किया कि इतने वर्षोबाद आज भी वह हमारा पथप्रदर्शक है। कहना अतिश्योक्ति नहींहोगी कि प्रभु श्री राम का चरित्र हमारा वो सनातन इतिहास है जो इतने वर्षो बाद भीसम्पूर्ण विश्व की मानवता को वर्तमान तथा भविष्य की राह दिखा रहा है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण हैकि आज की 21 वीं सदी में भी जब आदर्शप्रशासन की बात की जाती है तो भारत ही नहीं विश्व भर में रामराज्य ही उसका प्रतिमान होता है। यही कारण है कि हम यहकामना करते हैं कि नगरी हो अयोध्या सी, रघुकुल से घराना हो, चरण हों राघव के जहां मेरा ठिकाना हो। कहते हैं कि जब लंका जानेके लिए श्री राम की वानर सेना समुद्र के ऊपर पुल का निर्माण कर रही थी और वानर समुद्रमें पत्थर फेंक रहे थे, तो प्रभु श्री राम नेदेखा कि वानर समुद्र में पत्थर पर राम नाम लिखकर फेंक रहे हैं और पत्थर तैर रहे हैं।उन्होंने सोचा कि जब मेरा नाम लिखा पत्थर तैर रहा है तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकूँतो वो भी तैरेगा। यही सोचकर उन्होंने एक पत्थर उठाया और समुद्र में फेंका। लेकिनवो पत्थर डूब गया। वे आश्चर्य में पड़कर सोचने लगे कि ऐसा क्यों हुआ। दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। कौतूहल वशश्री राम ने हनुमानजी से पूछा कि मेरे नाम के

पत्थर समुद्र में तैर रहे हैं लेकिनजब मैंने वह पत्थर फेंका तो डूब गया? तब हनुमानजी बोले,प्रभु आपके नाम को धारण करके तो सभी अपने जीवनको पार लगा सकेते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयंत्याग दें, भला उसे डूबने से कोईकैसे बचा सकता है! इसीलिए कहा गया है कि रामसे बड़ा राम का नाम। यह राम नाम की महिमा ही है कि प्रभु श्री राम के चरित्र परसुनियोजित तरीके से अनेक आक्षेप लगाने के प्रयत्न किए गए लेकिन इसके बावजूद उनकेप्रति भक्ति,श्रद्धा, प्रेम और समर्पण के भाव भौगोलिक समेत हर सीमाको लाँघते हुए वैश्विक स्तर पर मानव हृदय में समाहित होते चले गए। सनातन विरोधियों द्वाराउन्हें मांस भक्षी बताया गया, उनपर अनैतिक रूप से वालीवध का आरोप लगाया गया, एक शूद्र शम्बूक के वध काआक्षेप लगाया गया, यहाँ तक कि उनके द्वारासीता माता का परित्याग करना भी बताया गया। जबकि सत्य तो यह हैकि न तो कभी श्री राम और न ही किसीरघुवंशी ने कभी मांस का सेवन किया था, न उन्होंने वाली का वध अधर्मपूर्वक किया था, न उन्होंने किसी शम्बूक नामक शुद्र का वध किया था और न हीकभी सीता का परित्याग ही किया था। वाल्मीकि रामायण जिसे सबसे प्राचीन एवं सबसे प्रमाणिक ग्रँथ माना जाता है और न ही तुलसीदास जी कृतरामचरित मानस में शम्बूक वध अथवा सीता परित्याग का कोई वर्णन है। बल्कि इनमें रामचरित्र का वर्णन ऐसा है कि राम जब पुत्र होते हैं तो अतुलनीय होते हैं और ये दशरथनन्दन अपने माता पिता के प्राण होते हैं। जब शिष्य होते हैं तो बालक राम अपनेगुरुओं का अभिमान होते हैं। जब भाई होते हैं तो भ्राता राम प्रेम और त्याग की मूरतहोते हैं। जब पति होते हैं एक पत्नी व्रत धारण करने वाले अपनी पत्नी को समर्पित एकआदर्श पति सियावर राम होते हैं। और जब वे राजा होते हैं तो राजा राम युगों युगों तक जिसकी कोई समानता न कर पाए उस रामराज्य कीस्थापना करते हैं। जब वे शस्त्र उठाते हैंतो धर्म की स्थापना के लिए और अपने क्षत्रिय धर्म का पालन करने के लिए उठाते हैं नकि अपने राज्य की सीमाओं के विस्तार करने के लिए। जब वे किष्किंधा के राजा वाली कावध करते हैं तो अधर्म का नाश करके धर्म की स्थापना करने के लिए करते हैं औरकिष्किंधा के राज्य पर सुग्रीव का राज्याभिषेक कर देते हैं। जब रावण का वध करतेहैं तब भी धर्म की स्थापना और अधर्म के नाश के लिए शस्त्र उठाते हैं और विजय केउपरांत लँका के राजसिंहासन पर विभीषण का राज्याभिषेक कर देते हैं। प्रभु श्री राम के चरित्रकी उदारता देखिए कि जब राम और रावण युद्ध हो रहा था, तो लंकाधिपति रावण के सामने अपनी पत्नी के स्वाभिमान की रक्षा के लिए एक वनवासी खड़ा था। एक ओर जहां रावण रक्षा कवच और सारथी और आयुधों सेयुक्त रथ पर सवार था, वहीं राम बिना रथ,बिना कवच और बिना जूतों के धरती और खड़े हो कर युद्ध लड़ रहे थे। ऐसे में विभीषण चिंतित होकर श्री राम से कहते हैं कि इस स्थितिमें रावण पर विजय कैसे प्राप्त होगी? तब प्रभु श्री राम की महानता देखिए, वे कहते हैं, सौरज धीरज तेहि रथ चाका। सत्य सील दृढ़ ध्वजापताका।। बल बिबेक दम परहित घोरे। छमा कृपा समता रजु जोरे।। ईस भजनु सारथी सुजाना। बिरति चर्म संतोष कृपाना।। दान परसु बुधि सक्तिप्रचंडा। बर बिज्ञान कठिन कोदंडा।। अमल अचल मन त्रोन समाना। सम जम नियम सिलीमुखनाना।। कवच अभेद बिप्र गुर पूजा। एहि सम बिजय उपाय नदूजा।। सखा धर्ममय अस रथ जाकें। जीतन कहँ न कतहुँ रिपुताकें।। अर्थात वे विभीषण से कहतेहैं कि जिस रथ से विजय होती है, वो रथ दूसरा ही है। शौर्यऔर धैर्य उस रथ के पहिए हैं। सत्य और शील उसकी मजबूत ध्वज और पताका हैं। बल,विवेक, दम (इंद्रियों का वश में होना) और परोपकार, ये चार उसके घोड़े हैं जो क्षमा, दया और समता रूपी डोरी से रथ में जोड़े हुए हैं। ईश्वर काभजन ही उस रथ को चलाने वाला चतुर सारथी है। वैराग्य ढाल है और संतोष तलवार है। दानफरसा है, बुद्धि प्रचंड शक्ति है,श्रेष्ठ विज्ञान कठिन धनुष है। निर्मल पाप रहितऔर स्थिर मन तरकस के समान हैं। शम (मन का वश में होना),यम (अहिंसा), नियम (शौच आदि), ये बहुत से बाण हैं। ब्राह्मणों और गुरु का पूजन अभेद्य कवच है। इसके समान विजय का दूसरा कोई उपाय नहीं है। ऐसा धर्ममय रथ जिसके पास हो,उसके लिए जीतने को कहीं शत्रु ही नहीं है। आज के समय में जब भृष्टाचार, स्वार्थ परायणता, अनैतिकता, द्वेष जैसे विकार हमारे समाज में हावी हैं, प्रभु श्री राम के द्वारा बताए गए ये गुण हमेंमानवता को बचाने की निश्चित राह दिखाते हैं। वो राह जिस पर चलकर वे रावण जैसे शक्तिशाली असुर से युद्ध जीते। उस राह पर भारत सदा सेचलता है और विश्व को भी राह दिखाता रहा है। यही भारत की आध्यात्मिक शक्ति है! यहीभारत की संस्कृति है!! यही भारत का गौरवशाली सनातन इतिहास है! आज भारत के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से निर्मित भव्य रामलला का मंदिर हमारे उसी सनातन इतिहास कागौरवशाली प्रतीक बन गया है।

भंवरों की देवी है शक्ति स्वरूपा जीण माता

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान के सीकर-जयपुर मार्ग पर गोरिया के पास जीणमाता गांव में देवी स्वरूपा जीण माता का प्राचीन मंदिर बना हुआ है। जीण माता का वास्तविक नाम जयन्ती माता है। माता दुर्गा की अवतार है। यह मंदिर शक्ति की देवी को समर्पित है। घने जंगल से घिरा हुआ है यह मंदिर तीन छोटी पहाड़ों के संगम पर स्थित है। जीण माता का यह मन्दिर बहुत प्राचीन शक्ति पीठ है। जीण माता का मंदिर दक्षिण मुखी है। लेकिन मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व में है। मंदिर की दीवारों पर तांत्रिकों व वाममार्गियों की मूर्तियां लगी है। जिससे यह भी सिद्ध होता है कि उक्त सिद्धांत के मतावलंबियों का इस मंदिर पर कभी अधिकार रहा है या उनकी यह साधना स्थली रही है। मंदिर के देवायतन का द्वार सभा मंडप में पश्चिम की ओर है। यहां जीण भगवती की अष्टभुजी आदमकद मूर्ति प्रतिष्ठापित है। सभा मंडप पहाड़ के नीचे है। मंदिर में ही एक और मंदिर है जिसे गुफा कहा जाता है। जहां जगदेव पंवार का पीतल का सिर और कंकाली माता की मूर्ति है। मंदिर के पश्चिम में महात्मा का तप स्थान है जो धुणा के नाम से प्रसिद्ध है। लोगों का मानना है कि यह मंदिर एक हजार साल पुराना है। लेकिन कई इतिहासकार आठवीं सदी में जीण माता मंदिर का निर्माण काल मानते हैं। मंदिर में अलग-अलग आठ शिलालेख लगे हैं जो मंदिर की प्राचीनतम के सबल प्रमाण है।

उपरोक्त शिलालेखों में सबसे पुराना शिलालेख संवत 1029 का है। जिस पर उसमें मंदिर के निर्माण का समय नहीं लिखा गया है। इसलिए यह मंदिर उससे भी अधिक प्राचीन है। चैहान चन्द्रिका नामक पुस्तक में इस मंदिर का 9 वीं शताब्दी से पूर्व के आधार मिलते हैं। एक जनश्रुति के अनुसार देवी जीण माता ने सबसे बड़ा चमत्कार मुगल बादशाह औरंगजेब को दिखाया था। औरंगजेब ने शेखावाटी के मंदिरों को तोड़ने के लिए एक विशाल सेना भेजी थी। यह सेना हर्ष पर्वत पर शिव व हर्षनाथ भैरव का मंदिर खंडित कर जीण मंदिर को खंडित करने आगे बढ़ी तो कहते है कि मन्दिर के पुजारियों के आर्त स्वर में मां से विनय करने पर मां जीण ने भंवरे (बड़ी मधुमखियां) छोड़ दी जिनके आक्रमण से औरंगजेब की शाही सेना लहूलुहान हो भाग खड़ी हुई। कहते है स्वयं बादशाह की हालत बहुत गंभीर हो गई। तब बादशाह ने हाथ जोड़कर मां जीण से क्षमा याचना कर मां के मंदिर में अखंड दीप के लिए दिल्ली से सवामण तेल भेजने का वचन दिया। कई वर्षो तक माता के मन्दिर में दीपक के लिये दिल्ली से तेल आता रहा फिर दिल्ली के बजाय जयपुर से आने लगा। बाद में जयपुर महाराजा ने इस तेल

को मासिक के बजाय वर्ष में दो बार नवरात्रों के समय भिजवाना आरम्भ कर दिया। और महाराजा मान सिंह जी के समय तेल के स्थान पर नगद 20 रु. 3 आने प्रतिमाह कर दिए। जो निरंतर प्राप्त होते रहे। औरंगजेब को चमत्कार दिखाने के बाद जीण माता भंवरों की देवी भी कही जाने लगी। हमारे देश में दुर्गा मां को शक्ति की देवी के रूप में पूजा जाता है। दुर्गा मां के कई रूप और अवतार हैं। पूरे भारत में नवरात्रा के अवसर पर माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ती है। आस्था से भरे इस देश में माता का स्थान सबसे ऊपर है। जीण माता देवी शक्ति है जो सदियों से लेकर आज तक लगातार आराध्य देवी के रूप में पूजी जाती हैं। जीण माता मंदिर में हर वर्ष चैत्र सुदी एकम् से नवमी (नवरात्रा में) व आसोज सुदी एकम से नवमी में दो विशाल मेले लगते हैं। जिनमे देश भर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है। जीणमाता मेले के अवसर पर राजस्थान के बाह्य अंचल से भी अनेक लोग आते हैं। मन्दिर में बारह मास अखण्डदीप जलता रहता है। हर मंदिर के कपाट चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहते हैं। इसका कारण यह है कि चंद्र ग्रहण के दौरान नकारात्मक शक्तियां बढ़ जाती हैं और सकारात्मक शक्तियां कमजोर पड़ जाती हैं। इसलिए मान्यता है कि अगर मंदिर के कपाट खुले रखेंगे तो मंदिर में बुरी शक्तियों का वास होगा। लेकिन शक्तिपीठ जीण माता मंदिर के कपाट हमेशा खुले रहते हैं। इस मंदिर के कपाट कभी भी बंद नहीं होते हैं। राजस्थान का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां 24 घंटे भक्त मां जीण भवानी के दर्शन करते हैं। लोक कथाओं के अनुसार जीण माता का जन्म अवतार राजस्थान के चूरू जिले के घांघू गांव के अधिपति एक चौहान वंश के राजा घंघ के घर में हुआ था। जीण माता के बड़े भाई का नाम हर्ष था। माता जीण को शक्ति का अवतार माना गया है और हर्ष को भगवान शिव का अवतार माना गया है। कहते हैं कि दोनों बहन भाइयों में बहुत स्नेह था। लेकिन किसी बात पर दोनों मनमुटाव हो गया। तब जीण माता यहां आकर तपस्या करने लगी। पीछे-पीछे हर्षनाथ भी अपनी लाडली बहन को मनाने के लिए आए। लेकिन जीण माता जिद कर साथ जाने से मना कर दिया। हर्षनाथ का मन बहुत उदास हो गया और वे भी वहां से कुछ दूर जाकर तपस्या करने लगे। दोनों भाई बहन के बीच हुई बातचीत का सुलभ वर्णन आज भी राजस्थान के लोक गीतों में मिलता है। भगवन हर्षनाथ का भव्य मन्दिर आज भी राजस्थान की अरावली पर्वतमाला में स्थित है। जीण भवानी की सुबह चार बजे मंगला आरती होती है। आठ बजे श्रृंगार के बाद आरती होती है व सायं सात बजे आरती होती है। दोनों आरतियों के बाद भोग (चावल) का वितरण होता है। माता के मन्दिर में प्रत्येक दिन आरती समयानुसार होती है। चन्द्रग्रहण और सूर्य ग्रहण के समय भी आरती अपने समय पर होती है।

हर महीने शुक्ल पक्ष की अष्टमी को विशेष आरती व प्रसाद का वितरण होता है। माता के मन्दिर के गर्भ गृह के द्वार (दरवाजे) 24 घंटे खुले रहते हैं। केवल श्रृंगार के समय पर्दा लगाया जाता है। हर वर्ष शरद पूर्णिमा को मन्दिर में विशेष उत्सव मनाया जाता है। जीणमाता मंदिर से काजल शिखर की 300 फीट ऊंचाई पर है। बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाओं, बच्चों का यहां पहुंच पाना मुश्किल रहता था। इन सबकी सुविधा के लिए अब रोप वे शुरू हो गया है। शिखर तक पहुंचने में अब तक 2 घंटे लगते थे। लेकिन रोप वे से ये दूरी 5 मिनट में तय हो जाती है।

अमेरिका चाहता है भारतीय कृषि बाजार में दखल

प्रमोद भार्गव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 27 प्रतिशत जवाबी शुल्क बढ़ाकर भारत के नरेंद्र मोदी को बड़ा झटका दिया है। ट्रंप ने दूसरे कार्यकाल में मोदी ही नहीं दुनिया को जता दिया है कि उनके लिए अमेरिका प्रथम अर्थात देशहित से अहम् और कुछ नहीं है। अब यदि कोई रियायत मिलती भी है तो ट्रंप कृषि उत्पाद का बाजार खोलने के बाद ही कुछ छूट दे सकते हैं। ट्रंप भारत के कृषि क्षेत्र में टैरिफ कम कराना चाहते हैं। ताकि अमेरिका के लिए खेती, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खुल जाए। वर्तमान में भारत अमेरिका पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है।दरअसल भारत की 70 करोड़ से भी अधिक आबादी कृषि, दूध और मछली एवं चिकन व अन्य समुद्री उत्पादन पर आश्रित है। इन उत्पादों से जुड़े लोग आत्मनिर्भर रहते हुए अपनी आजीविका चलाते हैं। भारत सरकार इनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने की दृष्टि से मुफ्त अनाज, खाद्य सब्सिडी एवं किसानों को छह हजार रुपए प्रतिवर्ष अनुदान के रूप में देती है, जबकि अमेरिका अपने किसान को 26 लाख रुपए की छूट देता है। भारत अपने कृषि बाजार में किसी का दखल नहीं चाहता,क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृषि है। भारत की 70 प्रतिशत अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृषि और उससे जुड़े उत्पाद हैं। अब अमेरिका इस परिप्रेक्ष्य में भारत पर व्यापक दबाव बनाकर द्विपक्षीय बातचीत करने का दबाव बना रहा है। अमेरिका चाहता है कृशि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार तो खुले ही उत्पादों पर शुल्क भी कम करे। यदि भारत कोई समझौता करता है तो ब्रिटेन और यूरोपीय संघ भी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए दबाव बनाएंगे। यूरोपीय संघ चीज व अन्य दुग्ध उत्पादों पर शुल्क कटौती की इच्छा जता चुका है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से बातचीत में इन मुद्दों को द्विपक्षीय वार्ता में शामिल करने की बात कही है। किंतु भारत के लिए कृषि में बाहरी दखल एक संवेदनशील मसला है, क्योंकि हमारे किसान विदेशी पूंजीपतियों से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं हैं। भारत में कृषि केवल आर्थिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का एक सांस्कृतिक तरीका भी है। इसीलिए भारत के जितने भी पर्व हैं, उनका पंचांग कृषि पद्धति पर ही आधारित है। जबकि अमेरिका व यूरोपीय देश कृषि को मुनाफे का उद्योग मानते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 2024 में अमेरिका का कृशि निर्यात 176 अरब डॉलर था, जो उसके कुल व्यापारिक निर्यात का लगभग 10 प्रतिषत हैं। बड़े पैमाने पर मषीनीकृत खेती और भारी सरकारी सब्सिडी के साथ अमेरिका और अन्य विकसित देष भारत को अपने निर्यात का विस्तार करने के लिए आकर्शक बाजार के रूप में देखते हैं। जबकि भारत अपने कृशि क्षेत्र को मध्यम से उच्च शुल्क की कल्याणकारी योजनाओं के द्वारा संरक्षित किए हुए हैं ताकि अपने किसानों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाया जा सके। कृषि क्षेत्र को मुक्त बाजार बनाने का मतलब है कि आयात प्रतिबंधों और शुल्कों को कम करना। कृषि को बाहरी सब्सिडी वाले विदेशी आयातों के लिए खोलने का अर्थ होगा, सस्ते खाद्य उत्पादों का भारत में आना, यह खुलापन भारतीय किसानों की आय और आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित करेगी। ऐसा ही दबाव भारत पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने जेनेवा में 2022 में हुई बैठक में बनाया था। यहां तक कि अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों ने भारतीय किसानों को दी जाने वाली कृषि अनुवृत्ति (सब्सिडी) का जबरदस्त विरोध किया था। ये देश चाहते हैं कि किसानों को जो सालाना छह हजार रुपए की आर्थिक मदद और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदने की सुविधा दी जा रही है, भारत उसे तत्काल बंद करे। यही नहीं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देषभर के 81 करोड़ लोगों को जो मुफ्त अनाज दिया जा रहा है उस पर भी आपत्ति जताई थी।

विधायक अनिल जैन ने किया आडीटोरियम का लोकार्पण

समय जगत, निवाड़ी । जिला निवाड़ी अपने पूर्ण स्वरुप की दिशा में सजता संवरता वर्ष 2018 में विधायक श्री अनिल जैन जी के अथक प्रयास से जिला निवाड़ी घोषित हुआ तभी से जिले की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु श्री अनिल जैन जी लगे हुए हैं इसी क्रम में दिनांक 27 मई 2022 दिन शुक्रवार को दो करोड़ निन्यानबे लाख बाबन हजार 299.52 की लागत से आडीटोरियम की आधारशिला रखी गई थी भूमि पूजन हुआ था मैन निवाड़ी टीकमगढ़ रोड न्यायालय के आगे और इत्तफाक देखिए आज जब उक्त सभागार आडीटोरियम का लोकार्पण हुआ तब भी दिन शुक्रवार है विधायक श्री अनिल जैन जी ने ही भूमि पूजन किया और आज लोकार्पण भी विधायक श्री अनिल जैन जी ने ही किया है तब कोई नहीं जानता था कि यह बिल्डिंग इतनी खूबसूरत बन कर निकलेगी ठेकेदार ने भी कमाल कर दिया ऐसा लगता है कि आज के आम ठेकेदारों की तरह नहीं पैसा खाने की होड़ लगी रहती है बल्कि लोगों का कहना है कि बहुत शानदार बना है चार सौ लोगों की क्षमता वाला यह सभागार पूर्ण वातानुकूलित है उद्घाटन करते हुए विधायक श्री अनिल जैन ने कहा कि पहले में कहता था कि जिला बनेगा कोई विश्वास नहीं करता था पर बन गया अब बेतवा से पीने का पानी मिल गया अब कैन बेतवा से खेतों को पानी मिलेगा खेत लहलहा उठेंगे आज हमारे निवाड़ी जिले में कलेक्ट्रेट भवन पुलिस अधीक्षक कार्यालय कंट्रोल रूम बाई पास रोड और ओरछा में भगवान श्री राम राजा सरकार में रामराजा लोक भी बन रहा है

शानदार लोकार्पण समारोह में श्री गुलाब अहिरवार अध्यक्ष नगर परिषद निवाड़ी श्री डाक्टर सुरेश तिवारी पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री राम नारायण दुबे वरिष्ठ भाजपा नेता श्री डाक्टर नंदकिशोर नापित पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा ने भी अपने विचार रखे लोकार्पण समारोह में नगर परिषद ओरछा नगर परिषद प्रथ्वी पुर नगर परिषद तरीचर कला के अध्यक्ष एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री मती निरंजना जैन उपाध्यक्ष सुजान यादव जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री संजय नकीब सहित भारी संख्या में लोग शामिल हुए संचालन श्री धीरेन्द्र नीखरा श्री देवेन्द्र वर्मा ने किया इसी बीच कार्य क्रम के दौरान खबर मिली कि फिल्मी एक्टर भारत कुमार के नाम से मशहूर श्री मनोज कुमार जी का निधन हो गया है तो विधायक जी ने श्री उनका गीत जो पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान ऋषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी का पसंदीदा गीत है पर भी प्रस्तुति दी इसके बाद आडीटोरियम में ही ग्रामीण क्षेत्रों एवं नगर से आये हुए लोगों को छावा फिल्म दिखाई गई और अंत में समरसता भोज के उपरांत सभी ने विदा ली।

मासूम से गांव के युवक ने की हैवानियत

बांसी (ललितपुर)। थाना जखौरा पुलिस चौकी बांसी अंतर्गत एक गांव में में गुरुवार की रात करीब 11 बजे एक 6 वर्षीय बालिका जवारों की आरती के बाद अपने दरवाजे बच्चों के साथ थी। इसी दौरान गांव की एक युवक आया और अपनी बाइक पर घुमाने के बहाने बैठा ले गये।

घर वालों की जब बच्ची नहीं दिखाई दी तो घर वालों ने बच्ची को खोजना शुरु किया। करीब 12 बजे बच्ची अंधेरे की तरफसे आते दिखी। उसके हाथ में 10 रुपये का नोट था, घर वालों को देखकर रोने लगी। जब घर वालों ने पूंछा कि क्या हुआ तब बच्ची बताया कि गांव में रहने वाला राहुल यादव चाचा ले गये थे, ये 10 रुपये दिये और यहीं छोड़कर चले गए कह रहे थे कि चुप रहना। घर वालों ने देखा तो बच्ची के कपड़ो में खून लगा था। बच्ची के घर वालों ने लड़का के घर वालों से शिकायत तो उन्होंने टाल दिया कि सुबह देखेंगे, तब रात एक बजे घर वाले बांसी पुलिस चौकी पंहुचे। मौके पर पंहुची पुलिस ने युवक की तलाश की तो गाँव में ही थोड़ी पर युक्त युवक किसी के छत पर लेटा था उसकी बाइक रास्ते में रखी थी, पुलिस ने रात में ही युवक को गिरफ्तार कर लिया।

न्यायालय निवाड़ी में मध्यस्थता केन्द्र का लोकार्पण

- अरविन्द गुप्ता -

समय जगत, निवाड़ी । आज माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्देशन में मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा वर्चुअली मध्यस्थता केन्द्र का लोकार्पण माननीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री सतीश कुमार गुप्ता. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री रवि प्रकाश जैन. सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़. व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 1 श्री मनीष छपरिया जी एवं अध्यक्ष बार एसोसिएशन निवाड़ी श्री नरेन्द्र तिवारी द्वारा किया गया मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा पांच बजकर पांच मिनट का समय निवाड़ी के लिए निर्धारित किया गया था निवाड़ी के साथ साथ अन्य छतरपुर जिला रीवा जिला टीकमगढ़ जिला आदि में भी वर्चुअली माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा माननीय मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा विधिवत रूप से वर्चुअली लोकार्पण किया गया इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता श्री एन आर यादव.श्री एन सी जैन. श्री सूर्य प्रकाश शर्मा श्री रामबाबू नायक श्री राजुल शेखर गुप्ता श्री अनुराग नायक श्री नवीन गुप्ता श्री आशीष यादव श्री आर आर साहू आदि एवं न्यायालयीन स्टाफसहित पत्रकार एवं अन्य नगर के न्यायालय में आये हुए गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे अधिवक्ताओं एवं न्यायाधीश महोदयों द्वारा बताया गया कि मीडियेशन सेन्टर मध्यस्थता केन्द्र बनने से एक अच्छी पहल शुरू हुई है इससे आम नागरिकों को बहुत लाभ प्राप्त होगा ।

स्वच्छता में कानपुर नगर निगम को मिला दूसरा स्थान

समय जगत, कानपुर। कानपुर नगर निगम को क्लीननेस टारगेट यूनिट (सीटीयू) में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान और स्वच्छ घाट प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर तृतीय स्थान मिला। शुक्रवार को नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कानपुर नगर निगम की तरफ से अपर नगर आयुक्त जगदीश यादव ने प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय के अन्तर्गत 2024 में हुए स्वच्छता ही सेवा एवं स्वच्छ घाट प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर नगर निगम कानपुर को लखनऊ में सम्मानित किया गया। नगरीय निकायों में नगरीय सुविधाओं एवं साफ-सफाई की व्यवस्था की प्रभावी मॉनीटरिंग के लिये स्थापित डेडिकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर के सफल संचालन के 3 वर्ष पूर्ण होने पर नगर विकास विभाग की ओर से लखनऊ में समारोह आयोजित किया गया।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम 14 सितम्बर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 तक किया गया था। जिसमें विभिन्न कार्यक्रम जैसे-एक पेड़ मां के नाम, स्त्रोत पृथक्करण, आरआरआर, रीसाइक्लिंग तकनीक पर जागरूकता कार्यक्रम, स्वच्छ शपथ, ट्रांसफॉर्मेशन, स्वच्छता रैली, चौपाल, निबंध, चित्रकारी, स्लोगन, जिंगल प्रतियोगिता, स्वच्छ संवाद, नुक्कड़ नाटक, स्वच्छ फूड स्ट्रीट, प्लाग रन एवं सफाई मित्र सुरक्षा कैंप कार्यक्रम शामिल थे। स्वच्छ घाट प्रतियोगिता में छठ पूजा के समय बड़े स्तर पर कार्यक्रम हुए। जिसके अन्तर्गत घाटों को साफ-सुथरा रखना, पॉलीथीन का इस्तेमाल न करना, प्रकाश व्यवस्था, अर्पण कलश स्थापित करना आदि मानकों को पूरा किया गया था। जिस पर नगर निगम कानपुर को तृतीय स्थान मिला है। इसी तरह क्लीननेस टारगेट यूनिट (सीटीयू) में द्वितीय स्थान मिलने पर नगर निगम को सम्मानित किया गया।

हाई-वे पर गुण्डागर्दी करने वाले दो बदमाशों को पकड़ा

समय जगत, बांसी (ललितपुर)। बुधवार की रात नेशनल हाईवे पर बीघा खेत टोल और उसके पास युवकों ने जमकर हंगामा काटा, कार पर पत्थर मारा और बाइक सवार दो युवकों की जमकर पिटाई की, पुलिस आरोपियों को पकड़ कर छोड़ा, पुलिस मामला सुलाटने में जुटी। बुधवार की रात करीब 11 बजे बांसी निवासी राहुल कुमार अपने दो साथियों के साथ बाइक से नेशनल हाईवे 44 पर बीघा खेत टोल प्लाजा से थोड़ी दूर पर स्थित प्राथमिक विद्यालय के सामने से निकल रहा था, कि उसी दौरान दूसरे बाइक से भिडंत हो गयी, दूसरी बाइक पर सवार युवक पास के ही गांव के थे। पास के गांव के युवकों ने अपने क्षेत्र का प्रभाव दिखाते हुए बांसी के इन बाइक सवार युवकों की जमकर धुनाई कर दी, किसी तरह जान बचाकर बचे इन युवकों की बाइक घबड़ाहट में डिवाइडर से टकरा गई, पहले ही मारपीट में लहुलुहान इन युवकों के सिर में गम्भीर चोटें आयी एक के सिर में 17 टाके आए वह अभी भी जिला अस्पताल में भर्ती है, अन्य दो युवक गुरुवार और शुक्रवार को उपचार के बाद अपने गांव बांसी आ गये हैं। पास के गांव के जिन युवकों ने इन लोगों के साथ मारपीट की थी वह टोल के पास आकर खड़े हो गये और वहां से गुजर रही एक कार पर पत्थर मारा जिसकी शिकायत डायल 112 पर कार वालों ने दर्ज करायी है। इतना उपद्रव करने के बाद भी इन युवकों का मन नहीं भरा और इसी दौरान ललितपुर से स्कूटी से बांसी आ रहे ।

वक्फ संशोधन बिल को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर

देर रात एसपी ने गूगल मीटिंग कर अधीनस्थों को दिये निर्देश

समय जगत, ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने गूगल मीट के माध्यम से जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना, शाखा व चौकी प्रभारियों के साथ अपराध एवं कानून-व्यवस्था के सम्बन्ध में मीटिंग कर, वक्फ बिल, जुम्मे की नमाज तथा उर्स मेला के सम्बन्ध में संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। एसपी ने कहा कि समस्त क्षेत्राधिकारी, थाना, चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में वक्फबिल के दृष्टिगत जनपद में विरोध प्रदर्शन की सम्भावना के दृष्टिगत संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर आवश्यकतानुसार समुचित पुलिसबल सुरक्षा प्रबन्ध किए जाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर विशेष सुमदाय के विभिन्न संगठनों, पदाधिकारियों द्वारा किए जाने वाले विरोध प्रदर्शन, अफवाहों एवं भ्रामक प्रचार-प्रसार रोकने के दृष्टिगत उनके धर्म गुरुओं के साथ सकारात्मक विचार विमर्श हेतु गोष्ठी करने हेतु निर्देशित किया। वक्फबिल/जुम्मे की नमाज तथा उर्स मेला के दृष्टिगत सुरक्षा, शांति व कानून- व्यवस्था बनाये रखने हेतु, अराजकतत्वों की सतत् रूप से कड़ी निगरानी रखने तथा उनके विरुद्ध आवश्यक निरोधात्मक कार्यवाही करने आदि के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समस्त क्षेत्राधिकारियों, थाना प्रभारियों को मिश्रित एवं भीड़-भाड़ आबादी वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन पैदल गस्त करने तथा पैदल गस्त की फोटों ऑनलाइन पोर्टल पर समय से फीड करने के लिए निर्देशित किया।

एसपी ने पैदल भ्रमण कर देखी व्यवस्थाएं: पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने जुमे की नमाज के दृष्टिगत थाना कोतवाली क्षेत्रातंर्गत शहर क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लेकर ड्यूटी पर तैनात पुलिस फोर्स को चेक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जुमे की नमाज के दृष्टिगत जनपदीय पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा के प्रबंध किये गये एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्र में ड्रॉन कैमरे, सीसीटीवी कैमरे आदि से सतत् निगरानी की गयी।

बर्थ-डे पार्टी में खुलेआम लहरायी गयीं तलवार , बांका

समय जगत, ललितपुर। पहली अप्रैल को देर रात डी.जे. पर तेज धमक के साथ गानों पर खुली तलवारें, फरसा व बांका इत्यादि लेकर लहराते हुये जमकर डांस किया गया। डीजे की आवाज कम करने की बात कहने पर दर्जन भर से अधिक लोगों द्वारा खुलेआम हथियार लहराते हुये झूठे मुकद्दमें में फंसाने के साथ-साथ हमलावर होने का मामला प्रकाश में आया है। प्रकरण में पीड़ित ने अगले दिन दर्जन भर से अधिक लोगों पर घर आकर मारपीट करने और जान से मारने के साथ ही सोने की चेन व 1500 रुपये छीन ले जाने का आरोप लगाया है। हालांकि खुलेआम लहराये गये हथियारों की वीडियोग्राफी होने के बावजूद भी इस के प्रकरण में पुलिस ने चुप्पी साध रखी है।शहर के मोहल्ला आजादपुरा लेडियापुरा देहरे मंदिर के पास रहने वाले मनोज कुमार ने पुलिस अधीक्षक को भेजे शिकायती पत्र में बताया कि 1 अप्रैल की रात करीब 11 बजे वह अपने परिवार समेत घर में था। तभी पड़ौस में रहने वाले कुछ लोग अपने साथ 15-20 अज्ञात लोगों के साथ हाथों में लाठी-डण्डा, तलवार, फरसा इत्यादि लेकर आये और गालियां देने लगे। विरोध करने पर उक्त लोगों ने उसके घर में घुसकर उसके व उसके परिजनों से मारपीट कर दी। आरोप है कि इस दौरान उक्त लोग उसके गले से सोने की चेन व 1500 रुपये भी छीन ले लिये और जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पीड़ित ने बताया कि उसने पूरे घटनाक्रम की वीडियो बना ली, जो कि उसके फोन में सुरक्षित है। मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से की गयी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुयी। आगे बताया कि इसी बात से क्षुब्ध होकर अगले दिन सुबह करीब 8 बजे उक्त सभी लोग एक बार फिर एकराय होकर आये और गालियां देते हुये शिकायत करने पर जान से मारने को आमादा हो गये। पीड़ित ने बताया कि उक्त लोग काफी आपराधिक किस्म के लोग हैं ।

भक्तों ने वैरावट धाम मंदिर पहुंचकर माता को चुनरी भेंटकर विशाल झंडा शिखर पर चढ़ाया

दूर-दूर से आते हैं यहां श्रद्धालु, माता के आशीर्वाद से होतीं हैं पूरी मनोकामनाएं

समय जगत, ललितपुर। चैत्र नवरात्रि के पांचे को नगर के श्री राधा कृष्ण साहू समाज मंदिर से माता भक्तों ने श्री श्री 1008 श्री वैरावट धाम पर माताराणी को चुनरी भेंटकर विशाल झंडा शिखर पर चढ़ाकर प्रसाद वितरित किया गया। गौरतलब है कि श्री श्री 1008 श्री वैरावट धाम मंदिर हजारों साल पुराना मंदिर है, यहाँ की मानता है कि हर साल नव दुर्गा के दौरान नौ दिनों भक्तो का माँ से आशीर्वाद लेने के लिये हजारों श्रद्धालुओं की लाइन लगी रहती है। जिसके क्रम में चौत्र नवरात्रि के पांचवें दिन नगर के गांधी नगर नई बस्ती स्थित श्रीराधा कृष्ण साहू समाज मंदिर से माता भक्तों ने श्री श्री 1008 श्री वैरावट धाम पर माताराणी को चुनरी भेंटकर विशाल झंडा शिखर पर चढ़ाया और प्रसाद वितरित किया गया। बता दे कि मंदिर का इतिहास महाभारत के इर्द गिर्द घूमता है। माना जाता है कि महाभारत के युग में श्रीवैरावट धाम में पांडवों ने यहां अज्ञातवास गुजारा था। इसके साथ ही अपनी आस्था प्रकट करते हुये उन्होनें यहां वैरावट माता को अपनी कुलदेवी मानकर मंदिर का निर्माण कराया था। तब से लेकर अब तक यहां श्रद्वालुओं का प्रतिदिन तांता लगा रहता है। मान्यता है कि यहां आने पर लोगों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। लेकिन यह क्षेत्र आज भी उपेक्षा का शिकार है। यहां आने जाने के लिए कोई पक्का सम्पर्क मार्ग नही है। खेतों से होकर पंगडंडी के सहारे ही मंदिर में पहुंचा जाता है। बाकी दिनों तो श्रद्वालु आसानी से धाम में पहुंचते हैं, किन्तु बरसात के दिनों में खेतों से होकर गुजरने में उन्हे भारी असुविधा होती हैं। अपनी मनोकामना पूर्ण करने को दूर दूर से यहां लोग आते हैं। इतना ही नही वैरावट धाम में विधुत व्यवस्था का कोई इंतजाम नही हैं। इतने जनप्रतिनिधि आये और गये, लेकिन किसी ने प्राचीन मंदिर के लिए कुछ भी नही किया। चुनाव के समय कई जनप्रतिनिधि यहां आकर कई वायदे करते हैं, किन्तु चुनाव जीतने के बाद उनके वायदे ठण्डे बस्ते में चले जाते है। बताते चलें कि अभी तक जो भी व्यक्ति श्री वैरावट माता मंदिर धाम से जुडा है, उसने ही मंदिर के विकास के लिए अपनी सामर्थ के अनुसार विकास किया है। पहले की अपेक्षा अब मंदिर में जो भी है विकास दिखता है। लेकिन मंदिर के लिए कई प्रकार का विकास अभी बाकी है। जिसमें मुख्य संपर्क मार्ग, विधुत व्यवस्था प्रमुख है। नवरात्रि के मौको पर श्रद्वालुजन यहां आकर कन्याभोज कराते हैं, और मंदिर में दान पुण्य भी करते है। रविवार को गांधीनगर के प्रमुख धर्मालंबियों ने श्री वैरावट धाम पहुंचकर भंडारा आयोजित कराया। सर्वप्रथम उन्होनें माता को प्रसाद अर्पित कर परिवार मे सुख समृद्वि की कामना की। वहीं मंदिर के विकास के लिए विचार विमर्श हुआ। इस दौरान प्रवीण दुबे, राहुल चौबे, हरिकिशन साहू, जुगराज पप्पू साहू, सुरेंद्र रिंकू साहू, पप्पू साहू टोडे वाले, रामकिशोर बिरधा वाले, राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, विनय जोशी टेलर, पत्रकार देवेंद्र साहू, कपूर चंद्र साहू पाय वाले, पप्पू साहू जाखलौन वाले, बालकिशन साहू, भोगीराम साहू, सौरभ साहू, अशोक साहू प्रबधंक, छोटेलाल साहू जिला टैक्सी एसोसिएशन अध्यक्ष, शंकरलाल शर्मा, दीपांशु, लकी, राजा, हर्ष, आंशिक, मोनिका, स्वति, बंसिका, पूजा साहू, प्रताप साहू, शिवराज साहू गदयाना मौजूद रहे।

सहरिया समुदाय और शिक्षा: चुनौतियाँ और उम्मीदें

समय जगत, झांसी। भारत के सबसे पिछड़े आदिवासी समुदायों में से एक सहरिया जनजाति आज भी शिक्षा की मुख्यधारा से कोसों दूर है। उत्तर प्रदेश के झांसी और ललितपुर जिलों में इस समुदाय के हजारों परिवार रहते हैं, लेकिन शिक्षा को लेकर जागरूकता की भारी कमी है। गरीबी, निरंतर पलायन और शिक्षा के प्रति उदासीनता ने सहरिया बच्चों को स्कूल से दूर रखा है। सरकारी आँकड़ों के अनुसार, इस जनजाति की साक्षरता दर मात्र 4.72: है, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर तो 2: से भी कम है। यह स्थिति भारत में सबसे कम साक्षरता दर वाले समुदायों में से एक बनाती है।

सहरिया समुदाय के लोग मुख्य रूप से दैनिक मजदूरी पर निर्भर हैं। जंगलों से लकड़ी और औषधीय जड़ी-बूटियाँ इकट्ठा करना, खेतों में मजदूरी करना और ईंट-भट्टों पर काम करना इनकी आजीविका के प्रमुख साधन हैं। अस्थायी और कम आमदनी वाले रोजगार के कारण ये परिवार एक स्थान पर टिककर नहीं रह पाते, जिससे उनके बच्चों की शिक्षा में सबसे बड़ी बाधा आती है। बच्चे स्कूल में नामांकन तो करा लेते हैं, लेकिन कुछ ही महीनों में उन्हें परिवार के साथ पलायन करना पड़ता है, जिससे उनकी पढ़ाई रुक जाती है। कई बच्चे कभी वापस स्कूल नहीं लौटते।

शिक्षा से दूरी की एक और बड़ी वजह समुदाय की सोच भी है। अधिकांश सहरिया परिवारों को लगता है कि पढ़ाई से कुछ हासिल नहीं होगा, क्योंकि रोजगार के अवसर फिर भी सीमित रहेंगे। उनका मानना है कि स्कूल भेजने से बेहतर है कि बच्चे कम उम्र से ही काम करना सीखें और परिवार की आर्थिक मदद करें। इस सोच के कारण माता-पिता खुद बच्चों को स्कूल भेजने से कतराते हैं। विशेष रूप से लड़कियों की शिक्षा को लेकर यह उदासीनता और अधिक देखने को मिलती है। कम संसाधनों के कारण प्राथमिक शिक्षा के बाद लड़कियों को स्कूल भेजना मुश्किल हो जाता है।

हालाँकि, सरकारी स्तर पर शिक्षा को बढ़ावा देने के कई प्रयास किए गए हैं, लेकिन उनका असर बहुत सीमित रहा है। गाँवों में बने सरकारी स्कूलों की स्थिति भी चिंताजनक है। कई स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं, और जहाँ शिक्षक उपलब्ध हैं, वहाँ जातीय भेदभाव की वजह से आदिवासी बच्चों के साथ उपेक्षा की जाती है। कई जगहों पर स्कूलों में बुनियादी सुविधाएँ भी नहीं हैं, जिससे बच्चों का वहाँ रुकना मुश्किल हो जाता है।

हाल के वर्षों में कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं। झांसी जिले के सिमिरिया गाँव में एक अनौपचारिक स्कूल संचालित हो रहा है, जहाँ सहरिया बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। यह स्कूल खुले आसमान के नीचे, एक पेड़ की छाँव में चलता है। इस स्कूल में पढ़ाने वाली शिक्षिका मनीषा प्रजापति बताती हैं कि उनके पास एक कमरा तो है, लेकिन मौसम के अनुसार वे बच्चों को बाहर पढ़ाना पसंद करती हैं। इससे बच्चों को खुला और स्वच्छ वातावरण मिलता है, जहाँ वे खुद को सहज महसूस करते हैं।

इस स्कूल में शिक्षा को रोचक बनाने के लिए पारंपरिक पद्धति से हटकर खेल और कला के माध्यम से पढ़ाया जाता है। बच्चे खेल-खेल में गणित और भाषा के मूलभूत सिद्धांत सीखते हैं। इससे उनकी रुचि बनी रहती है, और वे नियमित रूप से स्कूल आने लगते हैं। धीरे-धीरे इनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि हो रही है। हाल ही में इस समुदाय की छह लड़कियों का चयन कस्तूरबा गांधी विद्यालय में हुआ है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। पहले लड़कियों को आठवीं के बाद शिक्षा जारी रखने का अवसर नहीं मिलता था, लेकिन अब जागरूकता बढ़ने से बदलाव आ रहा है।

शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कुछ गैर-सरकारी संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी प्रयास किए हैं। गाँवों में शिक्षा जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, जहाँ माता-पिता को समझाया जाता है कि पढ़ाई से उनके बच्चों का भविष्य बेहतर हो सकता है। कुछ इलाकों में स्थानीय महिलाएँ भी इस प्रयास में शामिल हो रही हैं और अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए आगे आ रही हैं।

हालाँकि, अब भी कई चुनौतियाँ बनी हुई हैं। सहरिया समुदाय की लड़कियों के लिए शिक्षा का रास्ता अभी भी आसान नहीं है। सामाजिक बाधाओं और पारंपरिक सोच के कारण कई लड़कियों को आठवीं के बाद स्कूल छोड़ना पड़ता है। परिवार को लगता है कि पढ़ाई करने से शादी में देरी होगी, जबकि उनकी प्राथमिकता लड़कियों की जल्दी शादी कर देना होती है। इसके अलावा, कई गाँवों में उच्च विद्यालय दूर होने के कारण लड़कियों के लिए आगे पढ़ना मुश्किल हो जाता है।

सरकार ने आदिवासी समुदायों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएँ शुरू की हैं, लेकिन उनका सही तरीके से क्रियान्वयन होना अभी भी एक बड़ी चुनौती है। यदि सहरिया बच्चों को शिक्षा से जोड़ना है, तो कुछ विशेष प्रयास करने की आवश्यकता होगी। माइग्रेशन (पलायन) के कारण पढ़ाई न छूटे, इसके लिए चलते-फिरते स्कूलों की व्यवस्था की जानी चाहिए। इससे वे बच्चे भी पढ़ाई जारी रख सकेंगे जो परिवार के साथ मजदूरी के लिए दूसरे स्थानों पर जाते हैं।

इसके अलावा, आर्थिक सहायता भी एक बड़ा समाधान हो सकता है। अगर सरकार या समाजसेवी संगठन इन बच्चों को पढ़ाई के लिए वित्तीय मदद दें, तो माता-पिता बच्चों को काम पर भेजने के बजाय स्कूल भेजने को प्राथमिकता देंगे। साथ ही, सरकारी स्कूलों में स्थानीय समुदाय के लोगों को ही शिक्षक के रूप में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि बच्चों को अपनी भाषा और संस्कृति के अनुरूप शिक्षा मिल सके।सहरिया समुदाय के बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने के लिए सरकार, सामाजिक संगठनों और स्थानीय समुदाय को मिलकर प्रयास करना होगा। सिर्फ स्कूल खोलने से समस्या हल नहीं होगी, बल्कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि बच्चे स्कूल में टिके रहें और नियमित रूप से पढ़ाई करें। अगर सही दिशा में प्रयास किए जाएँ, तो आने वाले वर्षों में इस समुदाय के बच्चों की शिक्षा की स्थिति में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। शिक्षा ही वह साधन है जिससे सहरिया बच्चे गरीबी के दुष्चक्र से निकल सकते हैं और एक उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।

गौरव पाण्डेय
फ्रीलांसर पत्रकार
झाँसी

NATIONAL AGRICULTURAL COOPERATIVE MARKETING FEDERATION OF INDIA LIMITED (NAFED)

nafed A Farmers' Cooperative ...Since 1958

BHARAT ATTA Rs. 30/Kg (Net Wt. 10Kg. Pack)
BHARAT RICE Rs. 34/Kg (Net Wt. 10Kg. Pack)
BHARAT DAL Rs. 70/Kg (1Kg. Pack)

NAFED is undertaking sale of Bharat Brand Products as per directives of Department of Consumer Affairs, Govt. of India.
Interested buyers may visit near by Reliance Stores, City Mall (Online) & Dealshare (Online) for purchase of Bharat Brand Products at following locations:
JHANSI- Ranimahal, Elite Chauraha, Sipri Bazar, Ganesh Chauraha, Awas Vikas, Medical, Mauranipur, Gursarai, Chirgaon, Moth, Babina
KANPUR- Panki, Barra, Swaroopnagar, Yasodanagar, Kidwainagar, Chakarpur Mandi, Ramadevi, Galla Mandi Road

State Head: NAFED Uttar Pradesh
Address: Nafed Warehousing Complex, Beside Fire Station
Chatha Meel (6th Mile Chauraha, Sitapur Road, Lucknow-226021 (U.P.)

बेमौसम बरसात,ओले एवं तेज हवाओं से खराब हुईं फसलें

समय जगत, ओबेदुल्लागंज। बेमौसम बरसात से खेतों में खड़ी गेहूं और चने की फसलों में काफी नुकसान हुआ है। ओला एवं बरसात के साथ चली तेज हवाओं से फैसले जमींदोज हो गई। कई गांव में गेहूं और चने की फसलें जमींदोज हो गई। किसान शरद यादव खिल्लीखेड़ा, ताजपुर के सरपंच लालमन नंदवंशी ने बताया कि की गेहूं चना, व सरसों की फसलें पक कर तैयार हो गई थी। लेकिन गुरुवार शाम को बरसात के साथ हवाएं चलने से फासले धराशाई हो गई। इसके चलते किसानों की उम्मीद पर पानी फिर गया है। सरकार फसल नुकसान का जायजा लेकर मुआवजा दिलाए किसानों का कहना है कि बेमौसम बरसात और प्राकृतिक आपदा ने हमें बर्बाद कर दिया है द्य

रायसेन, चिकलोद, बड़ी, बरेली, ओबेदुल्लागंज, मंडीदीप, नूरगंज, गौहरगंज, सहित आस पास के क्षेत्र मैं गुरुवार शाम हुई तेज बारिश ने किसानों के अरमानों पर एक बार फिर पानी फेर दिया बारिश से रवि की फैसले पूरी तरह बर्बाद हो गई बेमौसम हुई इस बारिश से किसानों की मेहनत बेकार हो गई बारिश से गेहूं चना समेत सभी फैसले जमींदोज हो गई। अब सरकार के द्वारा किसानों को फसलों का मुआवजा मिल जाए तो शायद कुछ राहत मिले।औबेदुल्लागंज, खिल्लीखेड़ा, इकलामा, विशनखेड़ा, तामोट, बरखेड़ा, गौहरगंज सहित आस पास के क्षेत्र में गुरुवार शाम हुई तेज बारिश ने इस कहर बरपाए की किसान एक बार फिर कर्जे के नीचे डूबने की कगार पर पहुंच गया है। वहीं काट कर रखी फसलें भी भीग जाने से पूरी तरह से खराब हो गई है। मौसम की मार से किसान एक बार फिर आंसू बहने पर मजबूर हो गया है। बेमौसम बारिश से बर्बाद हुए किसान ने राज्य सरकार से नष्ट हुई फसलों का मुआवजा दिलाने की मांग की है।

गेहूं उपार्जन हेतु अब 9 अप्रैल तक पंजीयन करा सकेंगे किसान

समय जगत, रतलाम। जिले में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए किसान पंजीयन व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायत कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय, तहसील कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्रों पर तथा सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित 65 पंजीयन केन्द्रों पर पंजीयन किए जा रहे हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आनन्द गोले ने बताया कि पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था के तहत एम.पी. आनलाईन कियोस्क, कामन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साईबर कैफे पर पंजीयन करवाए जा रहे हैं। जिले में अब तक आलोट तहसील में 6686, जावरा में 4987, रतलाम ग्रामीण में 4254, ताल में 4664, पिपलोदा में 3195, रतलाम शहर में 1025, सैलाना में 480, रावटी में 260 तथा बाजना में 40 किसानों ने पंजीयन करवाया है। इस प्रकार जिले में अब तक कुल 25591 किसान पंजीयन किए जा चुके हैं। किसान पंजीयन की अंतिम दिनांक 31 मार्च से बढाकर अब 9 अप्रैल कर दी गई है। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 15 मार्च से 5 मई तक होना है। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में एफएक्यू गुणवत्ता के गेहूं का समर्थन मूल्य (केंद्र शासन द्वारा 2425 रूपए प्रति क्विंटल एवं राज्य शासन का बोनस 175 रूपए प्रति क्विंटल) 2600 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इच्छुक किसान अंतिम तिथि के पूर्व किसान पंजीयन करवाना सुनिश्चित करें। जिले में निर्धारित 65 केन्द्रों पर कुल पंजीकृत 25591 किसानों में से अब तक 10947 किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय हेतु स्लाटट बुक करवाए हैं।

1956-57 के रिकॉर्ड से उपजी नामांतरण की समस्या पर राजस्व विभाग ने जारी किए निराकरण के निर्देश: मंत्री चेतन्य काश्यप

रतलाम। वर्ष 1956-57 के रिकॉर्ड से नामांतरण में आ रही समस्या का समाधान हो गया है। राजस्व विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में रतलाम कलेक्टर को आदेश जारी किए हैं जिनमें उन्हें 1956-57 में शासकीय भूमि एवं वर्तमान में निजी मद के आधार पर नामांतरण प्रकरणों के संबंध में भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। कैबिनेट मंत्री चेतन्य काश्यप नामांतरण की इस समस्या के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहे हैं। वे इस विषय को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संज्ञान में लाए थे और उससे पूर्व राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा से चर्चा की थी। उन्होंने मुख्य सचिव एवं राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को भी जल्द समाधान करने को कहा था। श्री काश्यप ने गुरुवार को पुनः प्रमुख सचिव से चर्चा की, प्रमुख सचिव के कलेक्टर से जानकारी लेने के पश्चात् आदेश जारी कराए। इन आदेशों के मुताबिक कलेक्टर अपने स्तर पर मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत योग्य कार्यवाही करेंगे। गौरतलब है कि रतलाम में 1956-57 के रिकार्ड उपलब्ध नहीं होने से नामांतरण प्रकरणों में समस्या आ रही थी।

'स्कूल चले हम' अभियान के अंतर्गत जंतीपुर में उत्सव का आयोजन

समय जगत, मण्डला। जंतीपुर स्थित एकीकृत माध्यमिक शाला में स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत प्रवेश उत्सव का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और माता-पिता मौजूद रहे। पहले दिन छात्रों का तिलक वंदन कर और माला पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही सभी बच्चों को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की गई और उन्हें टॉफिया भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को विशेष भोजन भी कराया गया, जिससे उनके चेहरे पर खुशी की लहर दिखी। दूसरे दिन भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम के प्रबुद्ध जनों एवं सम्मानित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने बच्चों से भेंट की और अपने प्रेरणादायक अनुभवों को साझा किया।

इन व्यक्तियों ने बच्चों को अपने भविष्य को संवारने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। तीसरे दिन सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियाँ का आयोजन किया गया, जिसमें कुर्सी दौड़, खो-खो, कबड्डी और रस्सी कूद जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन खेलों में बच्चों का उत्साह देखने योग्य था। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों को कॉपी और पेन से पुरस्कृत किया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। स्कूल चले हम अभियान के इस आयोजन से बच्चों में शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ा है और उनके मनोबल को भी बढ़ावा मिला है।

जल संरक्षण की जानकारी के लिए विकासखंड के महिला समूह की बैठक संपन्न

समय जगत, औबेदुल्लागंज। 3 अप्रैल को प्रदेश दे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखंड औबेदुल्लागंज के आजीवीका भवन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रायसेन के निर्देशन अनुसार जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत बैठक की गई बैठक में जल के महत्व को बताया गया जल के बचाव हेतु क्या-क्या कार्य करने चाहिए,बैठक में जानकारी दी। नदियां बचाव के बारे में बताया गया इसके साथ इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर के पद अधिकारियों की बैठक रखी गई जिसमें ग्रामों के इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टरों को विकसित करने पर जोर दिया गया बैठक में विकासखंड क्षेत्र के ग्रामों में गठित समूह की महिलाएं आजीविका मिशन के विकासखंड प्रबंधक जितेंद्र चतुर्वेदी, सहायक विकासखंड प्रबंधक निधि चौहान,सहायक विकासखंड प्रबंधक संजय नामदेव, सहायक विकासखंड प्रबंधक जया व्यास एवं आजीविका मिशन विकासखंड ओबेदुल्लागंज के समस्त कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

ग्राम उमरखली में माता के जवारों का भक्तिभाव व गरिमा के साथ किया गया विसर्जन

समय जगत, बिस्टान। बिस्टान समीपस्थ ग्राम उमरखली मैं गुरुवार को माता के ज्वारों का विसर्जन किया गया ।गुरुवार की शाम को माताजी के रथों को श्री राम मंदिर छोटी हताई चौक आंगन में रखकर महिलाओं द्वारा पारंपरिक गीतों के साथ झालरिया दिया और 8 बजे से माता जी के विसर्जन का जुलुस भजन मंडली ढोल ढमाके के साथ निकाला गया। नर्मदा मंदिर स्थित कुंदा नदी तट पर पहुंचे यहां पर माता के रथों को क्रमबद्ध रख कर ज्वारों का पूजन,कर नारियल का प्रसाद चढ़ाकर आरती कर माता रूपी ज्वारों को गले मिलकर गणगौर पर्व का श्रद्धा पूर्वक समापन हुआ ।माता के ज्वारों को नमन कर कुंदा नदी में प्रवाहित किया गया ।इस अवसर पर पंचायत द्वारा हर गली मोहल्ले में सफाई की गई । थीं ।कुन्दा नदी घाट पर प्रकाश की उत्तम व्यवस्था की गई थी । कुमावत धर्मशाला मैं समाजजनों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की । पर्व हर्षोल्लास और मंगल कामना के साथ मनाया गया ।

गणगौर पर्व को लेकर भक्तजनों में दिखा व्यापक उत्साह एवं उल्लास

बिस्टान । गुरुवार को भी गणगोर पर्व को लेकर भक्तजनों में उत्साह उमंग रहा बड़ी तादाद में महिला, पुरुष ,बच्चे युवक युवतियां ,इस आयोजन में शामिल हुए नगर परिषद के अनकवाड़ी 11 के भगत सिंह वार्ड में रात्रि 9 बजे माता का विसर्जन ढोल तासो के साथ किया गया , मनोरथी महेंद्र गुप्ता स्यामू जैन ,प्रेम जैन महेंद्र सोनी ने बताया बुधवार को माता बहनों को ससुराल से विदाई नही दी जाती है इस दिन को सुभ नही माना जाता है इसलिये माता की विदाई इस वार्ड में गुरुवार को की गई इससे पूर्व शाम को मनोरथीयो ने रथो को बाहर निकाला माता के आसपास महिलाओं ने गोल घेरा बनाकर गरबा नृत्य किया गया एव माता के सम्मुख झलारिया गीत भजन गाये गए । देर शाम तक ये शील सिला चलता रहा रथों में माता रूपी ज्वारों को इंद्रावती नदी घाट पर ले जाया गया यहाँ ज्वारे रूपी माता का उपस्थित जनों ने पूजा अर्चना कर आरती की गई माता को प्रणाम कर क्षेत्र की उन्नन्ति प्रगति विश्व कल्याण एव शांति ,खुशहाली का आशिर्वाद श्रद्दालुओं ने मांगा गया अंत मे श्री फल का भोग लगाकर माता रूपी ज्वारों का गले से आलिंगन एव ह्रदय से मिलन कर नदी में विसर्जित कर दिए ।

अवैध खनिज परिवहन में संलग्न वाहनों को किया जब्त

समय जगत, धार । कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशानुसार शुक्रवार को प्रशासन ने अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की ।इस दौरान ग्राम सागोर, संजय जलाशय (पीथमपुर) और मनावर क्षेत्र में छापेमारी कर 7 वाहनों को जब्त किया गया। खनिज अधिकारी आरके कनेरिया ने बताया कि खनि निरीक्षक संदेश पिपलोदिया और रमेश सोलंकी के नेतृत्व में खनिज विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की।

मवेशी तस्करों की गाड़ी पकड़ी पुलिस ने की तत्परता से कार्रवाई

समय जगत, मण्डला। थाना टिकरिया, जिला मंडला में मवेशी तस्करी की एक बड़ी घटना का पर्दाफाश हुआ। अवैध तरीके से मवेशी तस्कर 28 भैंसों को क्रूरता से भरकर जबलपुर की ओर ले जा रहे थे, जब थाना टिकरिया पुलिस को इस बारे में जानकारी प्राप्त हुई। थाना प्रभारी गोपाल घोसले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टाफ को मवेशी तस्करों की गाड़ी का पीछा करने का निर्देश दिया। पुलिस की तत्परता के चलते मवेशी तस्करों की गाड़ी को पकड़कर थाना टिकरिया लाया गया। जांच में पता चला कि गाड़ी में 28 भैंसें क्रूरता से भरी हुई थीं। थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलते ही उन्होंने सब इंस्पेक्टर लक्ष्मी चंद चौधरी, ए.एस.आई. नारायण तराम, ए.एस.आई. कटरे, आरक्षक प्रशांत बघेल, और आरक्षक आंसू उपाध्याय सहित पूरी पुलिस टीम के साथ कार्रवाई की। गाड़ी को रोकने पर मवेशी तस्करों के चालक और कर्मचारी शराब के नशे में थे। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई को नकारते हुए गाड़ी से कट मारकर पुलिस को रोकने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उनका पीछा करते हुए कालपी के जंगल के पास जाकर गाड़ी को पकड़

लिया और मवेशी तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की। मवेशी तस्करों के हौसले को तोड़ने और उनके द्वारा की जा रही अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए थाना टिकरिया पुलिस पूरी तरह से सजग है और लगातार इस तरह की कार्रवाई करती रहती है। थाना प्रभारी ने बताया कि मवेशी तस्करों के खिलाफ आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि इस अपराध पर पूरी तरह से नियंत्रण पाया जा सके।

प्रभारी मंत्री ने ली विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक

सभी विधायक एवं जनप्रतिनिधि एक-एक तालाब लेकर श्रमदान के साथ करें जीर्णोद्धार : मंत्री राकेश सिंह

समय जगत, नर्मदापुरम। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने जिले के सभी विधायक गणों एवं जनप्रतिनिधियों से कहा कि वह एक-एक तालाब हाथ में लेकर श्रमदान करें और उस तालाब को पुराने स्वरूप में लाते हुए तालाब में वॉटर रिसोर्स बढ़ाएं। इस कार्य के लिए आम जनता एवं कार्यकर्ता का भी सहयोग जनप्रतिनिधि लें। प्रभारी मंत्री ने कहा कि तालाब गहरीकरण का कार्य सभी का सहयोग लेकर श्रमदान के माध्यम से किया जाए। छोटी-छोटी जल संरचनाओं को विकसित किया जाए। बोरी बंधान करें इसके लिए ग्राम पंचायत से भी आवश्यक सहयोग लिया जाए। उन्होंने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को निर्देश दिए कि वे ऐसे गांव की सूची बनाएं, जहां पर छोटी-छोटी जल संरचना को विकसित किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए की सभी विधायकों

को इस कार्य योजना से अवगत भी कराया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य 1 घंटे या आधे घंटे के लिए नहीं अपितु हफ्ते भर में लेकर पूर्ण किए जाएं।। उल्लेखनीय है कि प्रभारी मंत्री सिंह गुरुवार को नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। प्रभारी मंत्री ने बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अब तक हुए कार्य की प्रगति, ई ऑफिस सिस्टम, गेहूं एवं चना उपार्जन, सीवरेज प्रोजेक्ट मैं अब तक हुई प्रगति आदि की समीक्षा की। प्रभारी मंत्री सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह जनप्रतिनिधियों से सतत संपर्क एवं समन्वय बनाकर कार्य करें।

जनप्रतिनिधियों को किए जा रहे कार्य की सूचना एवं सूची अनिवार्य रूप से दें। प्रभारी मंत्री ने बैठक में निर्देश दिए की संबंधित अधिकारी अवैध शराब बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

स्वर्ण नगरी रतलाम में डीपी ज्वेलर्स के दूसरे व सबसे बड़े शोरूम का भव्य उद्घाटन होगा 6 को

समय जगत, रतलाम। स्वर्ण नगरी रतलाम में मिले स्नेह और विश्वास को डी. पी. ज्वेलर्स अपना दूसरा व सबसे बड़ा शोरूम समर्पित कर रहे हैं। 6 अप्रैल को सागोद रोड, जैन स्कूल के सामने नवनिर्मित शोरूम का भव्य शुभारम्भ राज्य व शहर के सम्माननीय अतिथियों, ज्वेलरी जगत के नामी व्यवसाइयों, मशहूर अदाकारा चित्रांगदा सिंह व डी. पी. परिवार के सभी सदस्यों की उपस्थिति में किया जायेगा। मध्य प्रदेश व राजस्थान के 10 शहरों में अपनी सफल स्वर्णिम यात्रा के बाद यह उनका 11वा शोरूम है। यह शोरूम ग्राहकों की पसंद, सहूलियत को ध्यान में रखते हुए और बड़ी संख्या में ग्राहकों से मिले फीडबैक के आधार पर बनाया गया है। यहां अधिक स्पेस, पारम्परिक के साथ मॉडर्न और अपडेटेड फैशन ज्वेलरी कलेक्शन, कम समय में ज्वेलरी शॉपिंग, फैमिली के साथ इत्मीनान से शॉपिंग, एक्सपर्ट एडवाइस के साथ अद्भुत शॉपिंग अनुभव लिया जा सकता है। रतलाम से शुरू हुए डी. पी. ज्वेलर्स के स्वर्णिम सफर से आज 30 लाख से अधिक परिवार खुशी-खुशी जुड़ चुके हैं। इसकी नींव 85 वर्षों

पूर्व सन् 1940 में स्व. श्री धूलचन्दजी कटारिया ने रखी। उनके द्वारा शुरू की गई इस परम्परा को परिवार की प्रत्येक पीढ़ी ने बड़ी खूबसूरती से संभाला। श्री रतनलालजी कटारिया ने बताया, रतलाम के साथ हमारा रिश्ता अटूट है, यह डी. पी. ज्वेलर्स की जन्मभूमि व कर्मभूमि दोनों है। रतलाम के साथ हमने खुद को बढ़ते हुए, उन्नत होते हुए देखा है। यकीन नहीं होता की इस स्वर्णिम सफर को 85 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं।

स्वर्ण नगरी में शुरुआती दौर में, हमारे पूर्वज स्व. श्री धूलचंदजी कटारिया ने स्थानीय आभूषण बाजारों में जटिलताओं को करीब से समझा। शुद्धता के प्रति ग्राहकों को जागरूक करने का संकल्प लिया और उन्होंने हॉलमार्क आने से पहले ही शुद्धता के मापदंडों को तय कर लिया था, जो आज अपने आप में इतिहास बन गया है। उनके बाद पन्नालालजी कटारिया ने इसे परम्परा मानकर आगे बढ़ाया। हमारे समय तक ग्राहकों की पसंद में बड़ा बदलाव आ चुका था। ऐसे में हमने कम्पलीट मार्केट रिसर्च के बाद ग्लोकल अपील वाली डिज़ाइन तैयार की, जो हमारी मुख्य ताकत बनी। रतलाम में दूसरा शोरूम शुरू हो रहा है। यह देखते हुए बहुत गौरवान्वित महसूस होता है, कि स्वर्ण नगरी रतलाम में डी. पी. ज्वेलर्स से पीढ़ियां जुडी है। यहां के परिवारों के विश्वास ने हमें उन्हें और भी सुविधायुक्त व उनकी पसंद के अनुरूप शोरूम निर्मित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्रीराम जन्मोत्सव का कोर्ट चौराहे पर होगा भव्य समापन, तैयारी जोरों पर

खाटूश्याम भजन सम्राट भास्कर एवं यशी चौरसिया की होंगी शानदार प्रस्तुति

समय जगत, सोहागपुर। नगर में श्रीराम जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां जोरो शोर से चल रही है उत्साही युवा और रामभक्त अपने-अपने स्तर से विभिन्न चौक चौराहे गलियों एवं मुख्य बाजार के पुल पर विशेष साजसज्जा कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर प्रतिवर्ष राम जन्मोत्सव पर आकर्षण का केंद्र रहने वाले कोर्ट चौराहे पर समिति ने अपनी तैयारियां प्रारंभ कर दी है इस वर्ष अलग प्रकार से साजसज्जा की जा रही है आकर्षक बिधुत सजावट के साथी रामनवमी पर शाम 6:00 बजे से खाटू श्याम एवं भगवान श्री राम के भजन होंगे जानेमाने खाटू श्याम के गीतों के भजन सम्राट एवं मधुर आवाज से मंत्र मुक्त कर देने वाली यशी चौरसिया अपनी प्रस्तुति देंगे, भजनों में महिलाओं को बैठने के लिए कुर्सियों की विशेष व्यवस्था समिति द्वारा की जा रही है मंच पर भगवान के स्वरूपों को विराजित कर संगीतमय भव्य हनुमान चालीसा होगा श्री गणेश, वीरहनुमान, भगवान श्री राम एवं गंगा आरती की जाएगी उसके बाद प्रसाद का वितरण होगा, कोर्ट चौराहा समिति ने राम भक्तों के स्वागत के लिए जलपान की व्यवस्था प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी की है कोर्ट चौराहा समिति शरदोतशव समिति एवं सरस्वती शिशु मंदिर के पूर्व छात्रों ने समापन पर श्रीराम जन्मोत्सव शोभायात्रा के साथ समापन स्थल पर अधिक से अधिक श्रद्धालु भक्तों से आने की अपील की है समिति सभी राम भक्तों के स्वागत के लिए तैयार है।

धर्म की रक्षा के लिए हम सभी को आना होगा आगे : देवकीनंदन ठाकुर

श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन किया कृष्ण की भक्ति का वर्णन

मुरैना। श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य संगीतमय आयोजन लेखराम परमार द्वारा आयोजित किया जा रहा है। व्यास पीठ से मथुरा से पधारे सनातन धर्म के ध्वज वाहक श्री देवकीनंदन ठाकुर जी श्रद्धालुओं को कथा श्रवण करा रहे हैं। लाखों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर कथा का आनंद ले रहे हैं। कथा प्रेमियों और श्रद्धालुओं के यहां प्रतिरोज भण्डारे का भी आयोजन किया जा रहा है। कथा के तीसरे दिन चौथे दिन कृष्ण लीलाओं का वर्णन करते हुए व्यास पीठ से देवकीनंदन ठाकुर जी ने कहा कि भगवान कृष्ण कोई साधारण नहीं पूर्ण ब्रह्म थे इस बात का अहसास कराने के लिए उन्होंने माटी खाने के बहाने अपने मुखारविन्द में मां यशोदा को संपूर्ण ब्रह्माण के दर्शन कराये। कथा तमाम तीर्थों और पुण्य दान करने से जो फल मिलता है वह श्रीमद भागवत कथा के श्रवण से मिलता है। उन्होंने कहा पूतना भगवान को मारने आई थी लेकिन उसका आंचल मुंह में दबाने के बाद प्रभु ने उसका उद्दार कर दिया। पूतना वद्य के बाद सक्तासुर और माखन लीला का

वर्णन किया गया। इसके बाद उन्होंने यमला अर्जुन के उद्दार की कथा का वर्णन किया। संगीत की मधुर ध्वनि में यशोदा सुन माई तेरे लाला ने माटी खाई संगीत पर श्रद्धालु झूमे और जोर से वंशी वारे और राधे राधे के जयकारे लगाए। इस दौरान कथा प्रांगण में हजारों श्रद्धालुओं के बीच व्यास पीठ से देवकीनंदन ठाकुर जी ने कहा कि राम नवमीं के दिन एक सतनातन यात्रा निकालने का आग्रह सभी से किया। सभी श्रद्धालुओं ने हां कर दी तो वह तैयार हो गए और उन्होंने कहा कि धर्म की रक्षा के लिए सभी जागे और आगे आऐं। वक्फ बोर्ड के लिए जहां दूसरे लोग प्रयास कर रहे हैं वहीं हम सभी को सतनातन का झण्डा उठाकर आगे चलना चाहिए। धर्म की रक्षा हम नहीं करेंगे तो कौन करेगा। धर्मो रक्षित रक्षिता। राधा कृष्ण की लाला का वर्णन करते हुए उन्होंने राधिका गोरी से ब्याह कराने वाला भजन भी प्रस्तुत किया। इस दौरान वह श्रद्धालुओं से भेंट करने के लिए आधा घंटे कथा के बाद उपस्थित रहे। आरती में सभी श्रद्धालुओं ने सम्मिलित होकर कथा का आनंद लिया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह, पूर्व सभापति अनिल गोयल अल्ली, हमीर सिंह पटेल, सोनू परमार और राजस्थान से विधायक गिर्राज मलिंगा, पूर्व मंत्री गिर्राज दण्डौतिया सहित सैंकड़ों की संख्या में लोगों ने आरती पूजन में सम्मिलित होकर देवकीनंदन ठाकुर जी का सादर सम्मान भी किया।

चार घंटे में हत्या का आरोपी गिरफ्तार

श्योपुर ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के कुशल निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी श्योपुर राजीव कुमार गुप्ता की मॉनिटरिंग में व थाना ढोढर पुलिस टीम एवं सायबर पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है जहां पुलिस टीम द्वारा आपसी लडाई झगडे में एक युवक की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने चार घंटे में गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। एसपी वीरेंद्र जैन ने बताया कि 31 मार्च 2025 पदमपुरा

में दो आदिवासी युवकों में आपसी रंजिश लडाई झगडे की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी जिसमें रामप्रसाद पुत्र चब्बू आदिवासी को छाती एवं पेट में चोट आने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल हुए युवक की मौत हो गई। ढोढर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पीएम रिपोर्ट में मृतक की मृत्यु छाती में एवं पेट में चोट आने से हुई है। जिसपर से आरोपितों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। घटना की सूचना मिलने पर एडीशनल एसपी प्रवीण भूरिया की मॉनिटरिंग एवं एसडीओपी श्योपुर राजीव कुमार गुप्ता के निर्देशन में एक टीम को आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु लगाया गया जहां टीम के मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि हत्या का आरोपी प्रभू पुत्र बज्जी आदिवासी निवासी जंबू बज्जी की सहराना बगदिया को ढोढर थानाक्षेत्र में देखा गया है सूचना पर से तत्काल पुलिस टीम को मुखबिर के बताए स्थान पर रवाना किया गया जहां पुलिस द्वारा विधिवत रूप से गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका: इस कारवाई में प्रभारी ढोढर श्यामवीर सिह तोमरए प्रधान आरक्षक कुलदीप परमारए अमित शर्माए अजय सिकरवारए आरक्षक विवेक जादौनए कमल अटलए धर्मवीर सिहए राजबल्लभ एवं सायवर सेल टीम की सराहनीय भूमिका रहीं।

सार-समाचार

नववर्ष एवं चैत्र माह शुक्ल पक्ष के शुभारंभ पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

समय जगत चित्रकूट। नव वर्ष एवं चैत्र माह शुक्ल पक्ष के पावन अवसर पर शक्ति वाटिका आस्था एवं हरियाली स्थापना के क्रम में आज रैपुरा रेंज स्थित बाल्मीकी आश्रम एवं कर्वी रेंज स्थित शंकर जी मंदिर पुल घाट पुरानी बाजार में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम प्रत्युष कुमार कटियार, उपनिदेशक, रानीपुर टाइगर रिजर्व / प्रभागीय वनाधिकारी के निर्देशन में आयोजित किया गया। बाल्मीकी आश्रम रैपुरा रेंज में मंहत भरतदास जी तथा विकास पथ सेवा संस्थान के अध्यक्ष डा. प्रभाकर सिंह द्वारा वृक्षारोपण किया गया। वहीं कर्वी रेंज के अंतर्गत पुल घाट क्षेत्र में जिला गंगा समिति के सदस्य अजीत कुमार सिंह द्वारा पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर डा. प्रभाकर सिंह ने कहा, वृक्षारोपण केवल एक पर्यावरणीय कार्य नहीं, बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। नववर्ष के शुभारंभ पर हरियाली की यह पहल प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने की दिशा में एक छोटा किंतु महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम में गोपाल कृष्ण गुप्ता (जिला परियोजना अधिकारी), रामऔतार, शिवा, अजय कुमार, कु. करिश्मा (वन दरोगा), अभय प्रताप सिंह (वन रक्षक), लवलेश कुमार सहित अनेक पर्यावरणप्रेमी उपस्थित रहे।

राशन कार्ड से संबंधित समस्त सदस्यों की ई केवाईसी 30 अप्रैल तक अवश्य कर लें- जिला पूर्ति अधिकारी

समय जगत, चित्रकूट। जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि शासन से प्राप्त निर्देश के क्रम में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 से आच्छादित प्रदेश के समस्त राशनकार्डधारकों को सूचित किया जाता है कि वह अपने राशनकार्ड से संबंधित समस्त सदस्यों की ई-केवाईसी अपने उचित दर विक्रेता की दुकान पर जाकर 30 अप्रैल, 2025 तक अवश्य करा लें। नियत समय सीमा अन्तिम समय सीमा है। अत: ऐसे कार्डधारक जिन्होंने अपने राशनकार्ड के समस्त सदस्यों की ई-केवाईसी अब तक नहीं कराई गई है वह 30 अप्रैल, 2025 से पूर्व अनिवार्य रूप से करा लें अन्यथा उनकी यूनिट डिलीट होने की स्थिति में वह व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

सामूहिक बलात्कार के आरोपियों की तलाश में सघनता से जुटी पुलिस

समय जगत, धौलपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र की एक महिला के साथ चार युवकों ने बहला फुसला कर चार दिन तक दुष्कर्म की घटना को अंजाम किया है। आरोपियों के चंगुल से छूटने के बाद महिला ने महिला पुलिस थाने में सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। पीड़ित महिला ने एफआईआर में आरोप लगाया कि 19 फरवरी को वह अपनी बीमार मां को देखने जा रही थी। धौलपुर शहर के गुलाब बाग चौराहे पर एक परिचित युवक उसको मिल गया था। परिचित युवक बहला फुसलाकर बाइक पर बिठाकर अपने साथ ले गया था। आरोपी ने तीन अन्य अपने साथियों को बुला लिया। चार दिन तक आरोपियों ने बंधक बनाकर अपने साथ रखा था और अलग-अलग स्थान पर सामूहिक दुष्कर्म किया था। रिपोर्ट में आरोप है पीड़िता आरोपियों के चंगुल से छूटकर घर पहुंच गई थी। इसके बाद घटना से परिजनों को अवगत कराया। हैवानियत की घटना की खबर सुनकर परिजनों के होश उड़ गए। पीड़िता ने महिला पुलिस थाने में चार युवकों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया है। सीओ सिटी मुनेश कुमार मीणा ने बताया महिला की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटनास्थल को पुलिस ने चिन्हित कर एफएसएल टीम को बुलाया है। वारदात से संबंधित पुलिस ने साक्ष्य एकत्रित किए हैं। महिला का मेडिकल करा दिया है। पुलिस घटना से संबंधित बयान ले रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है। उन्होंने बताया मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिना मुआवजा राशि दिए ही, कर दिया सडक निर्माण कार्य शुरू

समय जगत खिलचीपुर। आईटीआई के पास खिलचीपुर जीरापुर हाईवे के निर्माण के लिए जो भूमि अधिग्रहण का कार्य हुआ उसमें लगभग 15 लोगों की जमीन पर बिना जानकारी दिए ही जेसीबी चला दी गई पूछने पर कोई अधिकारी ठीक से पीड़ितों को जवाब तक नहीं दे रहा है जबकि पीड़ितों के पास संपूर्ण दस्तावेज रजिस्ट्री समेत मौजूद है। ज्ञात हो की खिलचीपुर जीरापुर नेशनल हाईवे निर्माण के लिए कुछ लोगों की भूमि को अधिग्रहण किया जाना है लेकिन प्रशासन के द्वारा पीड़ितों को बिना जानकारी दिए ही उनके प्लाटों पर जेसीबी चला दी गई है पूछने पर कोई ठीक से जवाब तक नहीं देता ऐसे में पीड़ित दर-दर की ठोकरे खाने को मजबूर है। उक्त स्थान पर कुछ लोगों के पक्के मकान भी है जिनका रहने का सहारा दूसरी जगह नहीं है उनको भी अधिकारीयों ने बोला कि जल्दी से जल्दी मकान खाली कर दो। पीड़ित लोग अपनी समस्या का आवेदन लेकर एसडीएम कार्यालय भी गए लेकिन वहां पर भी उन्हें कोई नहीं मिला और उन्हें वहां से खाली हाथ लौटना पड़ा। जबकि बिना मुआवजा दिए मकान तोड़ने का कोई नियम नहीं है। ऐसे में सभी पीड़ित काफी परेशानी का सामना कर रहे हैं जिनकी कोई सुनवाई कहीं भी नहीं हो रही है।

प्रान्तीय बाल सेवा सदन अनाथालय मे विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

महोबा। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महोबा जे0पी0 यादव के

आदेशानुसार आज शुक्रवार को प्रान्तीय बाल सेवा सदन अनाथालय मे विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल रामऔतार सिंह, डिप्टी रामनरेश यादव एवं स्थायी लोक अदालत के सदस्य प्रदीप कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पराविधिक विश्वनाथ त्रिपाठी द्वारा किया गया। आयोजित शिविर में रामऔतार सिंह, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल द्वारा बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के महत्व को बताया गया तथा बच्चो को आगे बढ़ने के लिए शिक्षा ग्रहण किये जाने हेतु प्रेरित किया गया। बच्चों से उनके दैनिक कार्यवृत्त के बारे में चर्चा की गयी साथ ही यहाँ पर उनके साथ हो रहे व्यवहार, खान-पान से सम्बन्धित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला विधक सेवा प्राधिकरण, महोबा में संचालित स्थायी लोक अदालत के सदस्य प्रदीप गुप्ता द्वारा बच्चो के अधिकारों एवं शिक्षा के अधिकार व भरण पोषण के अधिकरों से सम्बन्धित जानकारी देते हुए अवगत कराया गया कि बच्चो का उज्जवल भविष्य तभी सम्भव है जब वह शिक्षित होकर समाज व परिवार का नाम रोशन करें। इसके साथ-साथ स्थायी लोक अदालत में दायर होने वाल वादों से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी तथा यह भी बताया गया कि दायर करने के उपरान्त 60 दिनों के अन्दर न्याय निःशुल्क प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में रामनरेश यादव डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल द्वारा बताया गया कि यदि कोई भी व्यक्ति गरीब है तथा वकील करने की आवश्यक्ता है तो वह व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र के माध्यम से अधिवक्ता प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम के दौरान चीफ लीगल एड डिफेंस काउन्सिल रामऔतार सिंह, डिप्टी रामनरेश यादव एवं पराविधिक स्वयंसेवक विश्वनाथ त्रिपाठी, स्थायी लोक अदालत के सदस्य प्रदीप कुमार गुप्ता, प्रान्तीय बाल सेवा सदन के प्रभारी राजकुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

हर्ष फायरिंग में युवक की मौत

कबरई/महोबा। कस्बा थाना क्षेत्र अंतर्गत पहरा मोड़ इलाके पर बीती रात बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। वीरेंद्र वर्मा के घर कुआं पूजन के दौरान हुई फायरिंग में एक 27 वर्षीय युवक की जान चली गई इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज

कर आरोपियों को हिरासत में लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के दौरान ओम प्रकाश द्विवेदी की लाइसेंसी रिवॉल्वर उनके पुत्र जितेंद्र लिए थे जिसे नंदकिशोर कुशवाहा और अन्य ने छीनकर पहले फायरिंग करने के लिए छीना झपटी करने लगे। आपस में रिवॉल्वर को लेकर छीना-झपटी के दौरान नंदकिशोर कुशवाहा द्वारा अचानक गोली चल गई। यह गोली पास ही खड़े इस्लाम नामक युवक को जा लगी, जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। बताया जाता है कि 25 वर्षीय मृतक इस्लाम पुत्र सगीर मूलरूप से खन्ना थाना क्षेत्र के ग्योड़ी इलाही पुरवा का निवासी था जो वर्तमान में कबरई कस्बे में रह रहा था और परिचित वीरेंद्र वर्मा के यहां कुआं पूजन में शामिल होने आया था जहां हुई फायरिंग में गोली लगने से उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद समारोह का माहौल मातम में बदल गया लोगों में अफरा-तफरी मच गई और सूचना मिलते है परिवार वालों में कोहराम मच गया। मृतक युवक के पिता सगीर ने आरोप लगाया कि उसके पुत्र इस्लाम को उसके ही दोस्त कुआं पूजन में ले गए और वहां जानबूझकर गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। इस हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने रिवॉल्वर को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफकार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि रिवॉल्वर कैसे कार्यक्रम में खुलेआम लाया गया और किन परिस्थितियों में गोली चली। इस घटना ने एक बार फिर हर्ष फायरिंग की लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गांव में शोक की लहर है, वहीं मृतक इस्लाम के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस मामले को लेकर एएसपी वंदना सिंह ने बताया कि रिवॉल्वर को लेकर कुछ लोग छीनाझपटी कर रहे थे तभी गोली चल गई और इस्लाम की मौत हो गई सभी आरोपी हिरासत में है और पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जाएगी।

खेत पर कृषि कार्य कर रहे 39 वर्षीय किसान की सर्पदंश से मौत

महोबा। जनपद के कबरई थाना क्षेत्र के ग्राम पहरा मे खेत में लगी बागवानी में कृषि कार्य कर रहे एक 39 वर्षीय किसान की सर्प दंश से मौत हो गयी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही उपरांत पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु शव विच्छेदन गृह भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद के कबरई थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरहरा पहरा निवासी रामपाल पुत्र दयाशंकर कुशवाहा 39 वर्ष अपने खेतों में खेती पाती कर अपना व अपने परिवार का भरण पोषण करता था। बीते देर शाम वह अपने घर के पास स्थित खेत मे लगे सब्जी बागवानी में कृषि कार्य कर रहा था कि तभी खेत मे मौजूद सर्प ने उसे काट लिया। सर्प के काटने से उसके शरीर मे जहर पूरी तरह फैल जाने से वह जमीन पर गिर पड़ा। आनन फानन में उसे परिजनों द्वारा झाड़ फूक कराई गई तथा नजदीकी स्वास्थ केंद्र में भी भर्ती कराया गया जहॉ हालत गंभीर होने पर उसे डॉक्टरों ने जिला चिकित्सालय के लिए रिफर कर दिया। जिला चिकित्सालय पहुँच पाते कि उसकी रास्ते मे मौत हो गयी। सूचना पर पहुँची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही उपरांत पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु शव विच्छेदन गृह भेज दिया है। इस घटना से मृतक किसान के घर मे कोहराम मचा हुआ है।

आईजीआरएस पोर्टल, जनसुनवाई एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों के संबंध में बैठक

समय जगत हमीरपुर। आईजीआरएस पोर्टल, जनसुनवाई एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का निष्पक्षता पूर्वक एवं समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।शिकायतों के निस्तारण में मौके पर जाकर शिकायतकर्ता से संपर्क अवश्य किया जाए तथा मौके पर जाकर उसकी लोकेशन सहित फोटोग्राफ भी ली जाय। शिकायतों के निस्तारण किसी तरह के लापरवाही न बरती जाए शिकायतों के निस्तारण में किसी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कहा कि शिकायतों का निस्तारण 07 दिनों में अनिवार्य रूप से कर दिया जाए। शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए ताकि शिकायतकर्ता को बार-बार परेशान ना होना पड़े। कहा कि शिकायतों का ग्राउंड लेवल पर निस्तारण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाय, असंतुष्ट

फीडबैक नही मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस स्तर की शिकायत है उसका उसी स्तर पर निस्तारण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।किसी भी दशा में गलत निस्तारण नही होना चाहिए।कोई भी प्रकरण डिफॉल्टर की श्रेणी में न जाने पाय। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन विभाग की शिकायतों के निस्तारण में असंतुष्ट फीडबैक अधिक पाया जाएगा उस संबंधित का वेतन रोकने के साथ ही अन्य विभागीय कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान सीडीओ चंद्र शेखर शुक्ला, प्रभागीय वनाधिकारी, एडीएम वित्त एवं राजस्व विजय शंकर, एडीएम न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव, एसडीएम राठ अभिमन्यु कुमार,एसडीएम सदर,सरीला व मौदहा ,समस्त बीडीओ तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

राज्यमंत्री की मौजूदगी में मप्र जन अभियान परिषद ने किया श्रमदान

सारंगपुर। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रारम्भ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के अन्तर्गत शुक्रवार को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम भ्याना की ऐतिहासिक बावड़ी में राज्य मंत्री गौतम टेटवाल एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष

राज्य मंत्री मोहन नागर के आतिथ्य में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति तथा ग्राम वासियों के साथ श्रमदान कर बावड़ी की गाद निकाली गई। श्रमदान के पश्चात आयोजित जल चौपाल जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी दी तथा आगामी तीन माह तक इस अभियान में जुटने का सभी से आह्वान किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष देवनारायण नागर,जिला समन्वयक प्रवीण सिंह पंवार,मंडल अध्यक्ष विनोद पाटीदार नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश वर्मा,ब्लाक समन्वयक बद्रीलाल बामनिया जगदीश नागर,कैलाश नागर सत्यनारायण वैष्णव,रामलाल खटक,कपिल पाटीदार नवांकुर संस्था सेक्टर संडावता प्रभारी अशोक शर्मा सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के सदस्य, सीएमसीएलडीपी के छात्र, मैंटर्स सहित सैकड़ों ग्रामवासी सहयोगी रहे।

काली पट्टी बांधकर जताया आक्रोश, बड़ी संख्या में जुटे समाजजन, केन्द्र सरकार के फैसले को बताया विघटनकारी

वक्फ बोर्ड संशोधन कानून 2025 पर मुस्लिम समाज का विरोध

समय जगत, सिलवानी। भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत वक्फ बोर्ड संशोधन कानून 2025 के खिलाफ मुस्लिम समाज ने आज पूरे नगर सिलवानी में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध शुक्रवार की परंपरागत *जुम्मे की नमाज के बाद हुआ, जब हजारों की संख्या* में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर उतरे और इस विवादास्पद कानून के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया वक्फ बोर्ड, जो मुसलमानों की धार्मिक संपत्तियों के प्रबंधन और संरक्षण का जिम्मेदार है, अब एक नए संशोधन कानून के तहत केंद्र सरकार के अधिक नियंत्रण में आ सकता है। मुस्लिम समाज का कहना है कि यह कानून संविधान के *अनुच्छेद 25, 26 और 14* का उल्लंघन करता है, जो धार्मिक *स्वतंत्रता* की गारंटी देते हैं। मुस्लिम समुदाय का मानना है कि इस कानून के माध्यम से उनकी धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला किया जा रहा है और देश में सामाजिक अस्थिरता फैल सकती है

मुस्लिम समाज के लोग इस कानून के खिलाफ अपने धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट हो गए हैं। सिलवानी के मुसलमानों का कहना है, ÷हम किसी भी हालत में अपनी मस्जिद का एक भी इंच नहीं खोने देंगे, वक्फ हमारे लिए *इबादत का स्वरूप है मुस्लिम यूनियन अध्यक्ष, कामरान खान* ने भी इस विरोध प्रदर्शन में अपनी बात रखी और कहा, ÷वक्फ की संपत्तियां गरीबों, बेसहारों और शिक्षा के लिए होती हैं। इन संपत्तियों का सही प्रबंधन और उपयोग मुस्लिम समुदाय के हितों की रक्षा के लिए जरूरी है, लेकिन इस संशोधन कानून से वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता समाप्त हो जाएगी और यह एक सरकारी संस्था में बदल जाएगा धारा 40 में संशोधन के तहत अब वक्फ बोर्ड के मामलों में कोर्ट में मामला दायर* करना संभव हो जाएगा, जबकि पहले इसका कोई प्रावधान नहीं था। *मुफ्ती तय्यब साहब* ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा, सरकार पर विश्वास नहीं किया जा सकता, क्योंकि जो लोग आपको जहर देते हैं, वे उसे शहद कहकर पेश करते हैं

मुस्लिम समाज का मानना है कि यह विधेयक संविधान के तहत मिली धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ है। वे इसे सरकार द्वारा मुस्लिम धार्मिक संस्थाओं पर बढ़ते नियंत्रण के रूप में देख रहे हैं यह कानून हमारे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है इस माध्यम से सरकार एक खास समुदाय के खिलाफ असंवैधानिक रूप से कार्रवाई कर रही है,÷ *मुफ्ती ज़ेद साहब* ने कहा समाज का मानना है कि वक्फ बोर्ड में सुधार की आवश्यकता जरूर है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसे पूरी तरह से सरकारी नियंत्रण में सौंप दिया जाए। हमें पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ वक्फ बोर्ड को मजबूत करने की जरूरत है, न कि इसे एक सरकारी संस्था बना दिया जाए,÷ उन्होंने आगे कहा। मुस्लिम समाज ने सरकार से मांग की है कि इस संशोधन कानून को तत्काल वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि, ÷हमें अपने संविधान और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए, और वक्फ बोर्ड जैसी संस्थाओं को उनके स्वायत्त अधिकारों के साथ कार्य करने का अवसर देना चाहिए विरोध प्रदर्शन के अंत में सभी ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि वे एक ऐसे रास्ते पर चलेंगे जो सभी धर्मों और समुदायों के बीच समानता और सम्मान को बनाए रखे इस प्रदर्शन के माध्यम से मुस्लिम समाज ने न केवल वक्फ बोर्ड संशोधन कानून के खिलाफ आवाज उठाई, बल्कि अपने अधिकारों की रक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता की संजीवनी को भी सशक्त बनाने की अपील की।

धार्मिक नगरी में पवित्रता बनाए रखने के लिए लागू की शराबबंदी : मुख्यमंत्री

समय जगत, दतिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'वसुधैव कुटुंबकम' के विचार वाली भारतीय संस्कृति संपूर्ण विश्व को परिवार मानती है। प्रदेश सरकार इस सिद्धांत पर चल रही राज्य सरकार सभी के हित और कल्याण के लिए समर्पित है। परिवारों का वातावरण खराब न हो, मेहनत से कमाए गए पैसे का उपयोग परिवार के हित में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए ही शराब बंदी लागू की गई है।

धार्मिक नगरों में पवित्र भाव की अनुभूति होती है, अतः प्रदेश में 17 देवस्थानों की गरिमा को बनाए रखने के लिए ही इन स्थानों पर शराबबंदी लागू की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव माँ पीताम्बरा की नगरी दतिया में शराब बंदी लागू करने के लिए आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया सहित प्रदेश में जहां-जहां देवी मां की कृपा है वहां देवी लोक विकसित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति के मूल भाव ÷सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामयः के अनुरूप राज्य सरकार सबके कल्याण के लिए ही समर्पित भाव से कार्यरत है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। राज्य सरकार के लिए कृषकों का हित सर्वोपरि हैं किसानों को उनकी मेहनत और उपज का सही दाम मिले यह सुनिश्चित करने के लिए ही 2 हजार 600 रुपये प्रति किंवटल की दर पर गेहूं खरीदा जा रहा

है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से जमीन नहीं बेचने का आव्हान करते हुए कहा कि नदी जोड़ो परियोजनाओं से दतिया भी लाभान्वित होगा और किसान परिवारों का खुशहाल जीवन सुनिश्चित है। डबल इंजन की सरकार में जनता का हित सर्वोपरि है प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने जो कहा वह करके दिखाया। मुख्यमंत्री ने अनावश्यक खर्चों से परहेज करने के लिए जनसामान्य को प्रेरित करते हुए कहा कि शादी विवाह और मृत्यु भोज जैसे आयोजनों में अनावश्यक खर्च करना व्यर्थ है। अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई और उनके भविष्य निर्माण पर ध्यान देना ही परिवारों की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दतिया सहित प्रदेश के अनेक धार्मिक शहरों में शराबबंदी का जो निर्णय लिया है उसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है।

इस अवसर पर विधायक प्रदीप अग्रवाल ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि माँ पीताम्बरा की नगरी दतिया में शराबबंदी का जो ऐतिहासिक निर्णय मुख्यमंत्री ने लिया है उसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। इसके लिये दतिया के सभी निवासी मुख्यमंत्री के प्रति आभारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दतिया में शराबबंदी के लिये नागरिक अभिनंदन किया गया।

नपाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

धार्मिक नगरी दतिया में शराबबंदी लागू किये जाने पर दतिया नगरपालिका अध्यक्ष प्रशांत ढेंगुला ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया है। दतिया स्टेडियम में आयोजित मुख्यमंत्री की शराबबंदी धन्यवाद सभा में नगरपालिका अध्यक्ष प्रशांत ढेंगुला के नेतृत्व में उपाध्यक्ष एवं पार्षदों ने फूलों की बड़ी माला पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। साथ ही श्री ढेंगुला द्वारा मुख्यमंत्री डॉ यादव को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया।

सार-समाचार

अभाविप ने चलाया जीव जल कलश अभियान

सुनील मेघाया - समय जगत, बेटमा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पर्यावरण संरक्षण को लेकर सतत कार्य करता रहा है इसी के निमित्त अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा बेटमा नगर मैं जीव जल कलश अभियान चलाया जा रहा है। कॉलेज इकाई अध्यक्ष अभिषेक प्रजापत ने बताया कि गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए शासकीय महाविद्यालय बेटमा पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेटमा, सहित अन्य स्थानों पर सकोरे लगाए गए, विद्यार्थी परिषद सभी समाजजन से आग्रह करता है कि गर्मी के मौसम में बेजुबान पशु पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था करें। इस अवसर पर कॉलेज इकाई अध्यक्ष अभिषेक प्रजापत , कॉलेज मंत्री हरिओम परमार उपाध्यक्ष राधिका चौहान , महाविद्यालय प्रमुख दीपेश सेन, हिमांशु बोरखेडे, विनीत परमार , चांदनी ठाकुर सोशल मीडिया प्रमुख अर्जुन परमार आदि उपस्थित रहे।

बिजली गिरने से गाय की मौत

समय जगत, बिस्टान। गुरुवार को थाना क्षेत्र के ग्राम हीरापुर में आकाशीय बिजली शाम में एक किसान के कच्चे मकान पर बिजली गिरने से एक गाय चपेट में आ गई ।जिससे गाय की मौका स्थल पर ही मौत हो गई । पुलिस ने बताया कि घटना शाम साढ़े पांच बजे की है किसान दिलीप पिता इटा के कच्चे मकान पर बिजली गिरी 12 हज़ार रुपये मूल्य की एक गाय और किसान के घर में रखा 4 क्विंटल सोयाबीन का चारा भी जलकर नष्ट हो गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मंत्री पंवार ने किया पेयजल प्याऊ का उद्घाटन

समय जगत, सुठालिया। शुक्रवार को नगर परिषद द्वारा स्थानीय बस स्टैंड सहित नगर के 5 स्थानों पर जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत शुध्द ठंडा जल प्याऊ लगाई गई जिसका शुभारंभ मप्र शासन के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नारायण सिंह पंवार द्वारा फीता काटकर किया । इस मौके पर अमित शर्मा जिला महामंत्री, श्यामसिंह चौहान मंडल अध्यक्ष, गिरिराज लोधी सांसद प्रतिनिधि, राकेश शिवहरे पूर्व न.प अध्यक्ष, महेश पालीवाल, मोहन सिंह कुशवाह पूर्व न.प उपाध्यक्ष, ओमप्रकाश पालीवाल, मोंटी अग्रवाल, मोरसिंह कुशवाह, दिनेश वर्मा पार्षद, रईस खान मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कुलदीप सिंह राठौड़ स्वच्छता पर्यवेक्षक, देवनारायण यादव स.रा.नि., दिवाकर नामदेव ऑपरेटर, आर.के.शर्मा टाइम कीपर, एवं अन्य न.प.कर्मचारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय हे कि आगामी ग्रीष्म ऋतु में नगर में आने वाले ग्रामीणों सहित लोगों का शुद्ध ठंडा पानी मिलेगा।

योगी बालकनाथ ने पीताम्बरा मंदिर में की पूजा-अर्चना

समय जगत, दतिया। राजस्थान के तिजारा विधानसभा से विधायक महंत बालक नाथ योगी दतिया पहुंचे जहां पीताम्बरा मंदिर में दर्शन करने के पश्चात रतन महल होटल पहुंचे। होटल रतन महल के मालिक अरविंद अग्रवाल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अगवानी की। इस दौरान महंत बालक नाथ योगी की रतन महल होटल के डायरेक्टर अरविंद उर्फ अब्बू अग्रवाल ने बुकें देकर और पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। राजस्थान के तिजारा विधानसभा क्षेत्र विधायक महंत बालक नाथ योगी ने होटल में ठहरे थे। इस दौरान उन्होंने होटल का मुआयना कर तारीफ की एवं आकर्षण का केंद्र बताया।

नवीन अनमोल एप्लीकेशन एवं आरसीएच पोर्टल का दिया जा रहा प्रशिक्षण

समय जगत, झाबुआ। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं का पंजीयन, सेवाओं की ट्रेकिंग एवं बेहतर मॉनिटरिंग के लिए नवीन अनमोल आरसीएच पोर्टल का निर्माण किया गया है। इस पोर्टल पर दर्ज जानकारी के आधार पर जननी सुरक्षा योजना एवं प्रसूती सहायता योजना का लाभ शीघ्रता से मिल सकेगा। पोर्टल को ऑनलाइन संचालन करने के संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अलग अलग बैच में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का संचालन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बीएस बघेल की उपस्थिति में किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण जिला कार्यक्रम प्रबंधक आर आर खन्ना, जिला एम - ई अधिकारी श्री प्रणय टेंभरे एवं सीपीएचसी सलाहकार कैलाश चरपोटा द्वारा प्रदान किया जा रहा है।

मस्जिदों के बाहर किया शांतिपूर्ण प्रदर्शन

वक्फ संशोधन बिल के विरोध में मुस्लिम समाज ने दूसरे जुमे को भी काली पट्टी बांधकर किया विरोध प्रदर्शन

समय जगत, बेगमगंज। केंद्र सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड के कानून में हस्तक्षेप करके नया वक्फ कानून भले ही लोकसभा और राज्यसभा में पास कर लिया हो लेकिन मुस्लिम समाज सहित अन्य बुद्धिजीवी वर्ग में इसका कड़ा विरोध हो रहा हैऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बाद अब जामियत उलेमा हिंद के आवाहन पर लगातार दूसरे जुमे को रायसेन जिले के बेगमगंज शहर की सभी मस्जिदों में लोगों ने काली पट्टी बांधकर मस्जिद के बाहर प्रदर्शन किया। जहां अलविदा के जुमे वक्फ संशोधन बिल मंजूर नहीं करने को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आवाहन पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया था वहीं अब बिल मंजूर होने के बाद बिल को वापस लेने की मांग को लेकर जमीयत उलेमा ए हिंद के आवाहन पर मुस्लिम धर्मालंबियों ने विरोध स्वरूप काली पट्टियां बांधकर नमाज पढ़ी और मस्जिदों के बाहर प्रदर्शन किया। जमीयत उलेमा ए हिंद मध्य प्रदेश ने तमाम अहले ईमान से गुज़ारिश की थी कि जुमें की नमाज़ के लिए जाएं तो अपने दाएं हाथ पर काली पट्टी बांध कर जाएं और इस बिल के खिलाफ अपनी नाराज़गी और मुखालिफत का इज़हार करें। वहीं जमीअत उलामा बेगमगंज ने

भी शहर के गय्यूर मुसलमानों से गुज़ारिश की थी कि आप तमाम अहले ईमान इस पर अमल करें । कमेटी ने अपील की थी कि अपने घर से खुद पट्टी बांध कर मस्जिद जाएं और हर मस्जिद कमेटी वाले भी अपनी मस्जिद में पट्टी का इंतज़ाम कर लें और जो लोग पट्टी बांध कर न आएं उनको पट्टी बांध दें। नगर की सभी मस्जिदों में जुमे की नमाज के दौरान नमाजी हाथों पर काली पट्टी बांधे हुए नजर आए। जामा मस्जिद के बाहर मुफ्ती असालत नदवी, मरकज मस्जिद में मौलाना जैद जुल्फी मस्जिद अमीर दाद खां में मौलाना सैयद जैद अली, मदीना मस्जिद पठान वाली में मुफ्ती रुस्तम खां नदवी, मोहम्मदी मस्जिद में मौलाना अदनान बारी नदवी, बिलाल मस्जिद व जकरिया मस्जिद में मौलाना फराज खां, मस्जिद नूर हिदायतपुर में मौलाना जुनैद खान ने अपने अपने बयान में कहाकि हमारा विरोध वक्फ कानून में संशोधन को लेकर है क्योंकि वक्फ की संपत्ति सरकार की नहीं है । ये तो मुसलमानों द्वारा अपनी संपत्ति में से कुछ संपत्ति गरीब - बेसहारा ओर यतीम लोगों की मदद के लिए दी गई थी ताकि उन्हें आर्थिक मदद मिलती रहे लेकिन सरकार उनके हक को छीनने के लिए नया काला कानून पास किया जो मुसलमान को कतई मंजूर नहीं है हम लोग इसका पुरजोर विरोध करते हैं और भविष्य में भी तब तक करेंगे , जब तक सरकार ये बिल वापिस नहीं ले लेती है।

डेडगांव में बिना पंचायत की सहमति के खुल गई शराब दुकान

ग्रामीणों ने कहा- दुकान से गांव की शांति को खतरा

खरगोन। नए वित्तीय वर्ष में शराब ठेकों का नवीनीकरण किया गया है, इसके बाद पूर्व से संचालित दुकानों के स्थान परिवर्तन भी हो रहे है। नई जगह खुल रही शराब दुकानों का विरोध भी शुरु हो गया है। शुक्रवार को कसरावद जनपद के ग्राम डेडगांव के ग्रामीण मुख्यालय पहुंचे। यहां कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन कर गांव की शांति भंग होने का हवाला देते हुए एक अप्रैल से शुरु हुई शराब दुकान बंद कराए जाने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि विरोध के बीच दुकान खुलती है तो वे अपने अनुसार दुकान बंद कराने के लिए स्वतंत्र होंगे। कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीण ओमप्रकाश, श्याम, जयपाल, बबन आदि नें बताया कि अब तक गांव में कोई शराब दुकान नही थी, 1 अप्रैल से गांव में शराब दुकान खोल दी गई है, जो रहवासी क्षेत्र में होकर ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन रही है। यहां शराबियों का जमावड़ा लगा रहने से महिलाओं को जहां आवाजाही में परेशानी हो रही है तो वही बच्चे भी शराबियों को देखकर बिगड़ रहे है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उक्त दुकान बिना सरपंच, सचिव, उपसरपंच और पंचों की सहमति से खोली गई है। शराब दुकान खुलने से गांव की शांति को खतरा बना हुआ है। इसलिए समय रहते दुकान बंद कराई जाए अन्यथा वे अपने स्तर पर कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होंगे।

विभागीय लापरवाही से चार माह में डीपी में दूसरी बार फिर लगी आग

समय जगत, मनावर। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी विद्युत मण्डल की लापरवाही की वजह से मनावर के धार रोड स्थित जिला सहकारी बैंक के सामने मध्य प्रदेश विद्युत मंडल की विद्युत डीपी ट्रांसफार्म पर फिर चार माह मे दूसरी बार दोपहर 3ः00 बजे लगी आग,,, अचानक डीपी जलने लगी तथा आग की लपेटे निकलने लगी साप्ताहिक शुक्रवार हॉट होने के कारण व्यस्त आवागमन के चलते अफरा तफरी मच गई विद्युत मंडल को खबर लगते ही कर्मचारियों ने व्यवस्था संभाली तथा नगर पालिका फायर ब्रिगेड द्वारा आग पर काबू पाया गया। ऐसी घटनाएं आये दिन विधुत्त मण्डल की लापरवाही से कही न कही पर

होती रहती है यातो आपस मे तारो का चिपकना और फाल्ट होना और यका यक बिजली गुल हो जाना आम बात हो गई जो विधुत्त विभाग के मेंटनेंस पर प्रश्न चिन्ह छोड़ती है।प्रेसक्लब मनावर अध्यक्ष अनिल जैन जयप्रकाश सेन शाहनवाज शेख ने विद्युत डीपी अन्यत्र स्थापित की मांग की है।

कलेक्टर आदित्य सिंह ने गेहूं व चना उपार्जन केन्द्रों का किया निरीक्षण

समय जगत, हरदा। कलेक्टर आदित्य सिंह ने शुक्रवार सुबह टिमरनी, नौसर व पोखरनी का दौरा कर वहां गेहूँ व चना उपार्जन के लिये वेयरहाउसों में बनाये गये उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने संबंधित अधिकारियों को वेयरहाउस में तौल कांटे, बारदान, नमी मापक यंत्र की व्यवस्था रखने के लिये कहा तथा वेयर हाउस संचालक को किसानों की सुविधा के लिये पेयजल, छाँव व बैठक व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिये। उन्होने गेहूँ व चना के बोरियों की सिलाई के लिये पर्याप्त संख्या में सिलाई मशीन रखने के संबंध में भी निर्देश दिये।

बिजली चोरी के सूचनाकर्ता को पारितोषिक की 5 फीसदी राशि मिलेगी तुरंत

समय जगत, हरदा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चलाई जा रही पारितोषिक योजना के तहत बिजली के अवैध उपयोग की सूचना देने पर प्रकरण बनाने एवं राशि वसूली होने पर सूचनाकर्ता को दस प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना के संशोधित प्रावधान के अनुसार 5 प्रतिशत राशि का भुगतान संबंधित सूचनाकर्ता को सूचना सही पाए जाने पर जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश के तुरंत बाद किया जाएगा। शेष पांच प्रतिशत राशि पूर्ण वसूली उपरांत देय होगी। कंपनी में कार्यरत नियमित कर्मचारी, संविदा व आउटसोर्स कर्मचारी को भी सूचनाकर्ता के रूप में शामिल किया गया है। सूचना सही पाए जाने एवं जारी किए गए अंतिम निर्धारण आदेश की पूर्ण वसूली होने पर एक प्रतिशत प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाएगी। कंपनी ने कहा कि विभिन्न परिसरों की जांच एवं जांच के बाद बनाये गये पंचनामा के आधार पर आरोपी के विरूद्ध निकाली गयी राशि की वसूली में सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। कंपनी ने विभागीय अधिकारियों

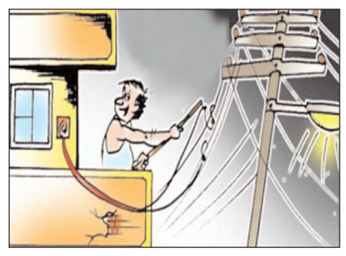

एवं कर्मचारियों के साथ जांच एवं वसूली के कार्य में शामिल बाह्य स्त्रोत कर्मचारियों को भी परितोषिक योजना के तहत दी जाने वाली 2.5 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि को सभी संबंधितों को समान रूप में दिया जाना निर्धारित किया गया है।कंपनी ने कहा है कि अब पारितोषिक योजना की पूरी जानकारी जैसे बिलिंग, भुगतान से संबंधित गतिविधियों को ऑनलाइन कर दिया गया है। अब सूचनाकर्ता को कंपनी के पोर्टल पर गुप्त रूप से दिए गए प्रारूप में बैंक खाता, पहचान क्र.(आधार अथवा पेन) देना अनिवार्य कर दिया है। कंपनी द्वारा विद्युत की चोरी के प्रभावी रोकथाम एवं विद्युत के अवैध उपयोग को रोकने के लिए यह योजना चलाई गई है।योजनांतर्गत कोई भी व्यक्ति बिजली के अवैध उपयोग के संबंध में सूचना कंपनी मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक, संचा.संधा/शहर वृत्त कार्यालय के महाप्रबंधकों को लिखित अथवा मोबाईल के साथ ही कंपनी की वेबसाईट पर ऑनलाईन सूचना दे सकते हैं।कंपनी द्वारा योजना में सूचनाकर्ता को निर्धारित शर्तों के अधीन पारितोषिक देने का प्रावधान है। इस राशि की अधिकतम सीमा नहीं है। वर्तमान में इस व्यवस्था को पूर्ण रूप से ऑनलाइन किया गया है। कंपनी की वेबसाइट पर जाकर इन्फार्मर स्किम लिंक पर क्लिक करके, सूचनाकर्ता के द्वारा गुप्त सूचना दर्ज की जा सकती है एवं उपाय ऐप के माध्यम से भी बिजली चोरी की सूचना दी जा सकती है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सभी नागरिकों के साथ आउटसोर्स कर्मचारियों तथा उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे गुप्त सूचना देकर, पारितोषिक योजना का लाभ उठाकर कंपनी को सहयोग प्रदान अवश्य करें।

बाबा ने अपनी कविताओं गीतों व अभिनय से सबको किया मंत्रमुग्ध

'एक शाम राष्ट्र के नाम' कार्यक्रम में बाबा मौर्य ने बिखेरा जलवा

सोयतकला। कला साहित्य व संस्कृति को समर्पित नगर की साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था कालिदास साहित्य अकादमी द्वारा हिंदू नव वर्ष के स्वागत में एक शाम राष्ट्र के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारत भक्ति संस्थान मुंबई के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार , प्रखर राष्ट्रवादी विचारक , चिंतक बाबा सत्यनारायण मौर्य ने अपनी विविध अद्भुत कलाओं का ऐसा जलवा बिखेरा की कार्यक्रम में उपस्थित सैकड़ो श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। वंदे मातरम गीत की प्रस्तुति के साथ उपस्थित जनों की जोरदार तालियो की गड़गड़ाहट के बीच बाबा मंच पर प्रस्तुत हुए द्य मंच पर आते ही बाबा ने अपने क्रांतिकारी ओजस्वी विचारों व गीतों के साथ विभिन्न रंगों से महापुरुषों के चित्रों को पर्दे पर उकेरना शुरू किया तो सभी बाबा की इस अद्भुत कलात्मक चित्रकार को देखकर दंग रह गए। पूरे कार्यक्रम में बाबा ने अपने ठेठ मालवी अंदाज में सभी को कभी हंसाया , कभी भावुक किया तो कभी अपने ओजस्वी क्रांतिकारी विचारों से झकझोर दिया द्य बाबा ने अपने गीतों पर जहां सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया तो वहीं अपनी मीठी मालवी बोली व मनमोहक अदाओं से सबका भरपूर मनोरंजन किया।

आतिशबाजी का पुष्प वर्षा के बीच भारत मां की आरती - भारत माता का चित्र उकेरते हुए जब बाबा ने जोरदार आसमानी आतिशबाजी और पुष्प वर्षा के

बीच भारत माता की जय के जयकारे लगवाएं और हम सब मिलकर उतारे भारत मां की आरती गीत प्रस्तुत कर मां भारती की वंदना की तब परिसर में उपस्थित लोगों के दिलों में देशभक्ति का ज्वार हिलोर है लेने लगा।

विशिष्ट व्यक्तियों की रही उपस्थिती - बाबा सत्यनारायण मौर्य के इस कार्यक्रम को देखने के लिए विभिन्न स्थानों राजनीतिक व सामाजिक जगत की विशिष्ट हस्तिया उपस्थिति रही द्य कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष ओम मालवीय , अगर विधायक मधु गहलोत , सुसनेर विधानसभा के पूर्व विधायक बद्रीलाल सोनी , गिरिराज पुरोहित, भाजपा जिला महामंत्री कैलाश कुंभकार, सुसनेर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष गजेंद्र सिंह चौहान , भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारी राजेंद्र पालीवाल , रमेश दांगी , सोयत कला मंडल के मंडल अध्यक्ष मोहन सिंह गुंदलावदा , राम कथाकार राधे श्याम शर्मा , पिड़ावा राजस्थान नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष निर्मल जी शर्मा , नलखेड़ा मंडल अध्यक्ष पवन वेदियां, गिरिजा शंकर राठौर आदि उपस्थित रहे।

3 वर्षों से लगातार आयुष्मान में निःशुल्क

नेशनल हॉस्पिटल, रीवा

कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी | पथरी का दूरबीन के द्वारा ऑपरेशन | प्रोस्टेट, हार्निया, हाइड्रोसील

पता-नेशनल हॉस्पिटल, समान तिराहा, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)

Mob. : 91 7566831551, 18008890620, 8608600604

7 APRIL

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा एवरेस्ट प्रेस ई-49/8 औखला, इंडस्ट्रीयल-एरिया प्लॉट-2 प्रींटिंग प्रेस से मुद्रित एवं बी-125 सादतपुर कालोनी दिल्ली-110094 से प्रकाशित। RNI NO. DELHIN/2005/14553, **प्रधान संपादक:** अशोक त्रिपाठी * **संपादक** अनिल श्रीवास्तव * **समाचार संपादक** सौरभ वार्ष्णेय

दिल्ली कार्यालय : एस-557, हीरा कॉम्पलेक्स 203 द्वितीय तल मुख्य मार्ग शकरपुर दिल्ली- 01142173537, 9899589700, **भोपाल कार्यालय** - 9, रायल हाउस, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-1, भोपाल। **फोन :** 0755-4273868, 4203479 **फैक्स :** 4094417 **ई-मेल** dainiksamayjagat.delhi@gmail.com *(समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)